राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 07 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-47 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## शाह करेंगे तमिलनाडु का दौरा, बीजेपी और एआईएडीएमके करेंगे गठबंधन?

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी और एआईएडीएमके के बीच फिर से गठबंधन की अटकलें तेज हो रही हैं। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस माह के आखिर में तमिलनाडु का दौरा करेंगे। शाह का यह दौरा आगामी बिहार चुनावों और पश्चिम बंगाल के 2026 में होने वाले चुनावों से पहले की रणनीति के तहत तय किया गया है। ऐसी संभावना है कि गृह मंत्री एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। मार्च में एआईएडीएमके नेता एदप्पादी के पलानीस्वामी ने दिल्ली में शाह से मुलाकात की थी, इसके बाद अटकलें लगाई जा रही है कि दोनों पुराने सहयोगी विधानसभा चुनावों से पहले फिर गठबंधन कर सकते हैं और द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बना सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट में एक सूत्र ने बताया कि उनकी मुलाकात संघ विचारक एस गुरुमूर्ति और कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं से भी हुई, लेकिन क्या एआईएडीएमके नेताओं से बातचीत हो रही है, इस पर कोई टिप्पणी नहीं की गई। केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव राज्य के कुछ नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव डाला है कि वह एआईएडीएमके के साथ फिर से गठबंधन करें, जिससे पार्टी को राज्य में अपनी पकड़ बढ़ाने और एंटी-डीएमके भावना का लाभ उठाने का मौका मिलेगा।

एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा कि दोनों दलों के नेताओं के बीच गठबंधन की संभावना को लेकर कई बार बातचीत हो चुकी है। उम्मीद है कि राज्य में संगठनात्मक फेरबदल के बाद जल्द ही कोई घोषणा हो सकती है। नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव पर नजरें प्रदेश अध्यक्ष के पद से अन्नामलाई के इस्तीफे के बाद सबकी नजरें इस बात पर हैं कि पार्टी किसे उनका उत्तराधिकारी चुनेगी क्योंकि गठबंधन इस पर निर्भर करेगा कि प्रदेश के नेता आपस में कैसे तालमेल बैठाते हैं। अन्नामलाई और एआईएडीएमके के बीच विरोधाभासी रुख गठबंधन टूटने का एक प्रमुख कारण था। जल्द ही नए राज्य अध्यक्ष की घोषणा की जा सकती है।

गठबंधन की संभावनाएं बीजेपी और एआईएडीएमके के कई नेताओं का कहना है कि दोनों दलों का गठबंधन राज्य में डीएमके को सत्ता से बाहर करने में ज्यादा सफल हो सकता है। एआईएडीएमके ने 2023 में एनडीए से बाहर निकलने का एलान किया था, क्योंकि अन्नामलाई द्वारा की गई टिप्पणियों पर दोनों गठबंधन सहयोगियों के बीच मतभेद हो गए थे।

2021 के चुनावों में डीएमके ने 234 में से 133 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, जबकि एआईएडीएमके की 136 से घटकर 66 सीटें रह गई थी। बीजेपी ने चार सीटें और पीएमके ने पांच सीटें जीती थीं। शाह का बिहार और पश्चिम बंगाल दौरा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आगामी यात्रा में बिहार का होने वाला है। प्रदेश के एक नेता ने बताया कि मार्च में अपनी पिछली यात्रा के दौरान शाह ने राज्य के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और पार्टी की स्थिति के बारे में जानकारी ली थी। दो दिवसीय यात्रा के दौरान मंत्री चुनावी रणनीति के लिए दिशा-निर्देश देंगे।

पश्चिम बंगाल का दौरा भी जल्द घोषित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को

सशक्त करना और आगामी चुनावी अभियान की रणनीति तय करना है। शाह का जम्मू और कश्मीर दौरा 6 अप्रैल से शुरु हो रहा है वह तीन दिन यहां रहेंगे, जहां वह सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेंगे और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वह जम्मू में पार्टी के विधायकों से मुलाकात करेंगे और पार्टी के संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। अमित शाह का यह दौरा बीजेपी की रणनीतिक तैयारियों का हिस्सा है, जो आने वाले चुनावों के लिए पार्टी की दिशा तय करेगा।

## महंगे हुए बाबा भोलेनाथ के दर्शन, हेलीकॉप्टर सेवा के किराए में बढ़ोतरी

देहरादून। महंगाई की मार चौतरफा है। बाबा भोलेनाथ के दर्शन करना भी अब महंगा हो गया है। यहां हेलीकॉप्टर की सेवाएं लेने वालों को अब ज्यादा किराया चुकाना पड़ेगा। चारधाम यात्रा के शुरू होने से पहले देश-विदेश से आने वाले भक्तजनों को करारा झटका लगा है। उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा के लिए हेली सेवा का किराया जारी कर दिया गया है। केदारनाथ हेली सेवा के किराये में 5 फीसदी वृद्धि की गई है। सिरसी से केदारनाथ धाम के लिए 6060 रुपये और फाटा से केदारनाथ के लिए 6062 रुपये किराया तय किया गया है। गुप्तकाशी से केदारनाथ के लिए 8532 रुपये चुकाने होंगे। तय किराया आने-जाने का होगा। केदारनाथ हेली सेवा की बुकिंग अप्रैल से होगी शुरू केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की ऑनलाइन बुकिंग आठ अप्रैल से शुरू हो जाएगी। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। तीर्थ यात्रियों से अपील की गई है कि वह सरकारी अधिकृत वेबसाइट से ही हेली सेवा के लिए बुकिंग कराएं।अधिकृत वेबसाइट से ही कराएं बुकिंग केदारनाथ हेली सेवा के लिए अधिकृत वेबसाइट से ही बुकिंग कराएं। केदारनाथ में इन कंपनियों के उड़ान भरेंगे हेलीकॉप्टर यूकाडा की सीईओ सोनिका ने बताया कि केदारनाथ हेली सेवा का संचालन पवन हंस, आर्यन एविएशन, हिमालयन हेली, ट्रांस भारत, ग्लोबल विक्ट्रा, थंबी एविएशन, केस्ट्रल एविएशन और एयरो एयरक्राफ्ट के माध्यम से किया जाएगा। हेली कंपनियों के साथ हुए तीन साल के अनुबंध के अनुसार इस बार किराये में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। 2024 में तीर्थ यात्रियों का बना था नया रिकॉर्ड उत्तराखंड चारधाम आने वाले तीर्थ यात्रियों का पिछले साल नया रिकॉर्ड बना था।

## बिहार में 3000 से अधिक वक्फ संपत्ति, लाखों मामले विवादित

पटना (एजेंसी)। देशभर में 39 लाख से अधिक वक्फ बोर्ड की परिसंपत्तियां हैं जिनमें से लाखों मामले विवादित हैं। इसी तरह बिहार में भी वक्फ की हजारों संपत्तियां हैं और सैकड़ों पर विवाद हैं। अब जब नया वक्फ कानून बन गया है तो ऐसे में इस बात को जानने के लोगों को उत्सुकता हो गई है कि बिहार में आखिर वक्फ की कितनी संपत्ति है और इनमें कितनों पर विवाद है। जानकारी के अनुसार, बिहार में 3000 से अधिक वक्फ संपत्ति है जिनमें सुन्नी वक्फ बोर्ड के पास ही 2900 से अधिक परिसंपत्तियां तो शिया वक्फ बोर्ड के पास पटना में 117 संपत्ति समेत 327 परिसंपत्तियां हैं। सुन्नी वक्फ बोर्ड के पास साढ़े सात हजार बीघा जमीन भी बताई जाती है। खास बात यह है कि इनमें सैकड़ों विवादित जमीन और संपत्ति है। सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष मोहम्मद इरशादुल्लाह के अनुसार, सुन्नी वक्फ बोर्ड की 250 से 300 संपत्तियों का मामला ट्रिब्यूनल और हाईकोर्ट में लंबित भी है। सुन्नी वक्फ बोर्ड के 25 प्रतिशत जमीन पर कब्जा भी है। सर्वे नहीं होने के कारण कहां कितनी जमीन है उसका सही आकलन नहीं हुआ है।जबकि, शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अफजाल अब्बास के मुताबिक, शिया वक्फ बोर्ड की जमीन पर अवैध कब्जा भी है। इनमें से करीब 138 मामले वक्फ ट्रिब्यूनल और 37 मामले हाईकोर्ट में लंबित हैं। वक्फ बोर्ड के अनुसार, बिहार की राजधानी पटना में भी वक्फ बोर्ड के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति है। शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष रह चुके मोहम्मद इरशाद ने बताया है कि पटना में डाक बंगला चौराहा सहित कई जगहों पर भू माफियाओं ने करीब 17 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है।डाक बंगला चौराहे पर लगभग 17 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा है। हालांकि, जानकारी के अनुसार, 146 कब्जाधारी कानूनी लड़ाई भी हार चुके हैं।

## सौरभ हत्याकांड : जेल में बंद मुस्कान की तबीयब बिगड़ी, प्रेग्नेंसी जैसे लक्षण दिखे

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में सौरभ हत्याकांड की आरोपी मुस्कान की शनिवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। उनमें प्रेग्नेंसी जैसे लक्षण नजर आए। इसके बाद जेल प्रशासन ने मुस्कान के मेडिकल चेकअप के लिए महिला जिला अस्पताल को पत्र लिखकर डॉक्टर को बुलाया है। लेडी डॉक्टर अब जेल में आकर मुस्कान का टेस्ट करेगी। दोबारा उसकी प्रेग्नेंसी जांच की जाएगी। इसके बाद ही क्लियर होगा कि मुस्कान गर्भवती है या नहीं। दरअसल, 19 मार्च से मुस्कान और साहिल मेरठ जेल में बंद है। मुस्कान ने साहिल के साथ मिलकर पति सौरभ की हत्या की थी। जेल आने के बाद मुस्कान का प्राइमरी मेडिकल टेस्ट किया गया था। तब वो पूरी तरह स्वस्थ थी, लेकिन अब प्रेग्नेंसी के लक्षण देखे गए हैं। जिला अस्पताल से लेडी डॉक्टर जेल में हर महीने की 15 तारीख को रूटीन विजिट पर जाती है। विशेष परिस्थितियों में डॉक्टर को बुलवाया जाता है। अब जेल प्रशासन ने जिला महिला अस्पताल को पत्र लिखकर जेल में डॉक्टर को भेजने की मांग की है। लेडी डॉक्टर 10 अप्रैल से पहले जेल आकर मुस्कान की प्रेग्नेंसी जांच करेंगी।

## मणिपुर में एक किशोर समेत चार उग्रवादी गिरफ्तार

बिष्णुपुर (एजेंसी)। मणिपुर के बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में सुरक्षा बलों ने दो प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े एक किशोर समेत चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित कांगलीपक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को शनिवार को बिष्णुपुर के मोइरांग ओक्शोंगबंग से गिरफ्तार किया था, जबकि केसीपी के सक्रिय सदस्य एक किशोर को नाम्बोल बाजार से पकड़ा। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित केसीपी का एक सक्रिय कार्यकर्ता बिष्णुपुर के निंगथौखोंग से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि काकचिंग जिले के हियांगलाम में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान में यूपीपीके के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। इस बीच शनिवार को जिरीबाम जिले में तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने कई आग्नेयास्त्र बरामद किए हैं।

## मुंबई में पूर्व बीजेपी सांसद ने मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकरों के खिलाफ की शिकायत

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने मुंबई के गोवंडी इलाके में 72 मस्जिदों पर अवैध रूप से लगे लाउडस्पीकरों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। सोमैया ने कहा कि इन लाउडस्पीकरों को बिना किसी वैधानिक अनुमति के लगाया गया है, जो नियमों का उल्लंघन है। सोमैया ने शिवाजी नगर-गोवंडी क्षेत्र का दौरा करने के बाद यह कदम उठाया। उन्होंने कहा कि मैंने शिकायत दर्ज कराई है। गोवंडी में 72 मस्जिदों पर अनाधिकृत लाउडस्पीकर लगे हैं, जो बिना पुलिस की मंजूरी के हैं। मैंने इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यह समस्या केवल गोवंडी तक सीमित नहीं है, बल्कि मुंबई के कई इलाकों में भी ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है। सोमैया ने इससे पहले भी कई बार इस तरह की शिकायतें दर्ज कराई हैं। उनका तर्क है कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे आसपास के निवासियों को भी परेशानी होती है। जानकारी के मुताबिक शिकायत मिलने के बाद इस मामले में जांच शुरू की जा सकती है। हाल ही में उन्होंने मीडिया के सामने घुसपैठियों के फर्जी आधार कार्ड, नकली दस्तावेज और झूठे शपथ पत्रों का इस्तेमाल कर भारत में जन्म प्रमाणपत्र हासिल करने का खुलासा किया था।

## मस्जिद विस्फोट मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों पर बढ़ाई यूएपीए की धारा

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक मस्जिद में हुए विस्फोट के बाद गिरफ्तार किए गए दो लोगों के खिलाफ दर्ज मामले में पुलिस ने इस आतंकी कृत्य के लिए यूएपीए और बीएनएस की धारा लगाई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि 30 मार्च को गेवराई तहसील के अर्ध मसला गांव की एक मस्जिद में विस्फोट हो गया था।

## तीन समन के बाद कामरा ने पुलिस से किया ऑनलाइन बयान दर्ज कराने का अनुरोध

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी करने के बाद विवादों में घिरे कॉमेडियन कुणाल कामरा ने मुंबई पुलिस को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि उनका बयान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए दर्ज किया जाए। कामरा ने यह अनुरोध तब किया जब खार पुलिस ने उन्हें तीन समन जारी किए हैं। कामरा ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि वह जांच में सहयोग करेंगे, लेकिन वह मुंबई में नहीं हैं। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने पुलिस से कहा है कि वह अपनी टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगेंगे।

बता दें कुणाल कामरा ने अपने एक कार्यक्रम में एक पैरोडी गाना गाया था। उसमें शिवसेना में विभाजन के लिए शिंदे पर कटाक्ष किया था। इसके बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने 23 मार्च को स्टूडियो और उस होटल में तोड़फोड़ की थी जहां यह यह कार्यक्रम का स्टूडियो स्थित था।

खार पुलिस का एक दल सप्ताह की शुरुआत में दूसरे समन पर कामरा के पेश नहीं होने पर माहिम स्थित उनके आवास पहुंचा था। मद्रास हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी है। वह तमिलनाडु के रहने वाले हैं। वहीं, ऑनलाइन प्लैटफॉर्म वुक माई शो ने अपनी आधिकारिक साइट से कमीडियन के कंटेंट हटाने के साथ ही आर्टिस्ट्स लिस्ट से भी उनका नाम हटा दिया है। शिवसेना नेता राहुल कनाल ने 3 अप्रैल को कार्यक्रमों के लिए टिकट बुक कराने वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म वुक माई शो को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि वे कुणाल कामरा को उनके आगे के शो के लिए टिकटिंग प्लैटफॉर्म उपलब्ध न कराएं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा का बचाव किया था। राउत ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर जोर दिया। राउत ने कहा कि इस मामले में उन्होंने कामरा से बात की है।

## वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण नहीं चाहती सरकार, कानून के अनुसार कामकाज सुनिश्चित होना चाहिए: नड्डा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड को नियंत्रित नहीं करना चाहती, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वे कानून के दायरे में काम करें, ताकि उनकी संपत्ति का इस्तेमाल मुस्लिम समुदाय में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार को बढ़ावा देने में किया जा सके।

पार्टी के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि तुर्किये और कई अन्य मुस्लिम देशों की सरकारों ने वक्फ संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले लिया है।

उन्होंने कहा, ''हम (वक्फ बोर्ड का) संचालन कर रहे लोगों से बस यह कह रहे हैं कि आप नियमों के अनुसार काम करें। आपको यह काम नियमानुसार करना होगा।÷ नड्डा ने कहा, ''हम वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण नहीं चाहते। हमारा

लक्ष्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि इसका प्रबंधन करने वाले लोग कानून के दायरे में काम करें और स्थापित नियमों का पालन करें। वक्फ बोर्ड की संपत्ति और धन मुस्लिम समुदाय के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित होंगे।''

नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करने से पहले भाजपा प्रमुख ने मुख्यालय में पार्टी का झंडा फहराया। वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ से शुरू हुई भाजपा की राजनीतिक यात्रा को याद करते हुए नड्डा ने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है और आज कई राज्यों में सत्ता में है।

उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भी अपनी मूल विचारधारा से हटी नहीं है, जबकि कांग्रेस वर्षों से अपनी वैचारिक कमजोरी के कारण पतन का सामना कर रही है। नड्डा ने कहा, 'आज, लोकसभा में भाजपा के 240, राज्यसभा में 98 से अधिक सदस्य और देश भर में 1,600 से अधिक विधायक हैं। हमने अभी-अभी अपना सदस्यता अभियान समाप्त किया है और भाजपा सदस्यों की संख्या 13.5 करोड़ को पार कर गई है। देश भर में हमारे 10 लाख से अधिक सक्रिय पार्टी कार्यकर्ता हैं।

## वक्फ विधेयक को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने से कुछ हासिल नहीं होगा : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने संसद में पारित वक्फ संशोधन अधिनियम को कुछ पार्टियों द्वारा उच्चतम न्यायालय में चुनौती दिए जाने की तैयारी की खबरों के बीच रविवार को कहा कि विधेयक को अदालत में चुनौती देने से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक गरीब और हाशिए पर खड़े मुसलमानों के हित में लाया गया है। वर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए वक्फ संशोधन विधेयक को सही ठहराया और कहा कि इसे संसद में भारी समर्थन मिला है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की ताकत को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'वक्फ संशोधन विधेयक को भारी बहुमत से पारित किया गया है। कुछ लोग इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय जा सकते हैं, लेकिन इससे कुछ नहीं होने वाला है।' वर्मा ने जोर देकर कहा कि विधेयक का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के कमजोर वर्गों खासकर गरीब और पसमांदा मुसलमानों को फायदा पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'यह कानून वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करेगा और वंचित मुसलमानों के हित में काम करेगा।' वर्मा की यह टिप्पणी कुछ मुस्लिम संगठनों और विपक्षी नेताओं द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक के प्रावधानों को अदालत में चुनौती देने की योजना बनाने की खबरों के बीच आई है। वक्फ (संशोधन) विधेयक को पिछले दिनों संसद के दोनों सदनों में पारित कर दिया गया था।

## कांग्रेस के सबसे मजबूत गढ़ में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर घमासान

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** कांग्रेस के पास तीन राज्य हैं कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश। इसके अलावा वह झारखंड में इंडिया अलायंस की सरकार में साझेदार है। लेकिन, पार्टी के इस स्तर पर सिकुड़ जाने के बावजूद उसके भीतर का सिरफुटव्वल थमने का नाम नहीं ले रहा है। मौजूदा वक्त में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के पास यह पद है। वह प्रदेशाध्यक्ष का पद छोड़ना नहीं चाहते हैं। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान से दो दिन की मुलाकात के बाद बेंगलुरु लौटे शिवकुमार ने साफ कहा कि वे यह पद तभी छोड़ेंगे, जब उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी मिले। सूत्रों के मुताबिक, हाईकमान ने अभी के लिए शिवकुमार का समर्थन किया है, लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके करीबी मंत्रियों को यह बात पसंद नहीं आई है।

इस वक्त कांग्रेस एक मात्र बड़े राज्य कर्नाटक में सबसे मजबूत स्थिति में है। लेकिन, वहां सीएम की कुर्सी को लेकर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और सीएम सिद्दारमैया के बीच तकरार किसी से छिपी नहीं है। ताजा विवाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद को लेकर है। रिपोर्ट के अनुसार सिद्धारमैया के समर्थक मंत्री शिवकुमार को अध्यक्ष पद से हटाने की मांग कर रहे थे। लेकिन हाईकमान ने साफ कर दिया कि इस साल

के अंत में होने वाले जिला और तालुक पंचायत चुनावों से पहले पार्टी में कोई बदलाव नहीं होगा। जानकारों का मानना है कि शिवकुमार अध्यक्ष पद छोड़ना नहीं चाहते, क्योंकि इससे उनकी मुख्यमंत्री बनने की राह कमजोर हो सकती है।

सिद्धारमैया के करीबी मंत्रियों का एक गुट शिवकुमार को हटाने की मुहिम चला रहा था। उनका तर्क था कि कांग्रेस का नियम है- एक व्यक्ति, एक पद। लेकिन हाल ही में एक हनीट्रैप विवाद ने इस मुहिम को झटका दिया। राजन्ना ने खुद खुलासा किया कि वे उन 48 नेताओं में शामिल थे, जिन्हें इस कथित साजिश का निशाना बनाया गया। इसके बाद यह अभियान ठंडा पड़ गया। शिवकुमार ने अपने विरोधियों को जवाब देते हुए कहा कि केपीसीसी का पद दुकान में नहीं मिलता, न ही मीडिया में बयान देकर हासिल किया जा सकता है। वे मानते हैं कि नेतृत्व का पद मेहनत से कमाया जाता है। दूसरी ओर, लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली भी अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 लोकसभा चुनावों के बाद अध्यक्ष बदलने का लिखित प्रस्ताव एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के पास है। उनका मानना है कि 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए एक पूर्णकालिक अध्यक्ष जरूरी है।

## ओडिशा में खुदाई में मिले ताम्र-पाषाण युग के अवशेष

### - 7000 साल पुराने रहस्य से उठेगा पर्दा

**भुवनेश्वर (एजेंसी)।** ओडिशा के खुर्दा जिले के नारा हुडा में पुरातात्विक खुदाई में ताम्र-पाषाण युग के अवशेष मिले हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण टीम 2021 से इस स्थान पर खुदाई कर रही है और हाल ही में टीम को मिट्टी के गोलाकार ढांचे, तांबे और पत्थर के औजार, मिट्टी के बर्तन, आभूषण और कई प्राचीन वस्तुएं मिली हैं। खुदाई में प्राप्त गोल झोपड़ियों के अवशेष यह दर्शाते हैं कि प्राचीन काल में यहां लोग स्थायी रूप से बसने लगे थे। झोपड़ियों की दीवारें मिट्टी की थीं और खंभे लगाने के लिए गड्ढे बनाए गए थे। आसपास की ज़मीन लाल रंग की मिट्टी से ढकी थी।

पुरातत्ववेत्ता के मुताबिक खुदाई में तांबे और हड्डियों से बनी वस्तुएं, कांच की चूड़ियों के टुकड़े, मिट्टी की मूर्तियां, पत्थर को चमकाने के औजार, खिलौने और हथौड़े भी मिले हैं। ताम्र-पाषाण युग नवपाषाण युग के बाद आया था, जिसमें मनुष्यों ने पत्थर के बजाय तांबे के औजारों का इस्तेमाल करना शुरू किया। यह काल करीब 4000 ईसा पूर्व

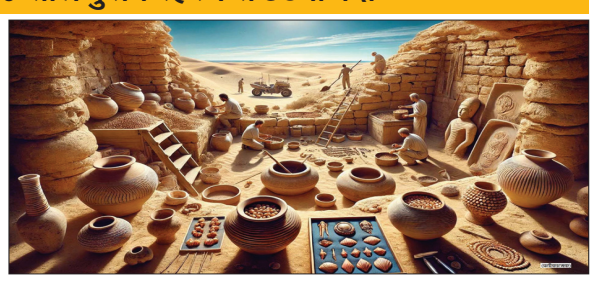

से 2000 ईसा पूर्व तक फैला था। इस युग में लोग मुख्य रूप से कृषि और पशुपालन पर निर्भर थे। भारत में इस काल के कई प्रमुख स्थल हैं, जैसे राजस्थान में गिलुंड और अहार, महाराष्ट्र में इनामगांव और दैमाबाद, और मध्य प्रदेश में नवदाटोली और एरण है।

खुदाई में यहां से तीन अलग-अलग ऐतिहासिक काल के प्रमाण मिले हैं ताम्र-पाषाण युग (2000 ईसा पूर्वङ्क1000 ईसा पूर्व), लौह युग (1000 ईसा पूर्वङ्क400 ईसा पूर्व) और प्रारंभिक ऐतिहासिक काल (400 ईसा पूर्वङ्क200 ईसा पूर्व)। यहां से मिले मिट्टी के बर्तन लाल, भूरे, चॉकलेट और काले-लाल रंग के हैं, जिनमें से कुछ करूसिबल के रूप में पहचाने गए हैं।

इस खोज से यह साफहो गया है कि इस क्षेत्र में हड़प्पा सभ्यता से पहले भी विकसित मानव बस्तियां थीं। इससे पहले, नारा हुडा के पास अन्नालाजोडी गांव में नियो-चालकोलिथिक युग की वस्तुएं मिली थीं, जो इस क्षेत्र के मानव सभ्यता के प्राचीन होने का प्रमाण देती हैं। पुरातत्व टीम अभी भी इस स्थल की जांच कर रही है ताकि 7000 साल पुराने इस रहस्य से पर्दा उठाया जा सके।

## पीएम मोदी का यूएई और श्रीलंका दौरा: भारत की रणनीति से सकते में आया चीन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश के दौरे पर हैं। यूएई और श्रीलंका के दौरे से चीन सकते में आ गया है। इसे चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। इस यात्रा में भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता हुआ है, जिसके तहत श्रीलंका के त्रिंकोमाली जिले को ऊर्जा हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

यह जिला श्रीलंका के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित है। एक तमिल बहुल इलाका है। इस प्रोजेक्ट में एक मल्टी-प्रोडक्ट पाइपलाइन भी शामिल होगी, जिससे श्रीलंका के सभी लोगों को फायदा पहुंचेगा। इससे पहले पीएम मोदी ने 2019 में श्रीलंका का दौरा किया था। त्रिंकोमाली का महत्व भारत के लिए बहुत ज्यादा है। यहां का नेचुरल बंदरगाह और ऊर्जा सुविधाएं इसे रणनीतिक रूप से अहम बनाती है। भारत का मानना है कि यहां उसकी मजबूत मौजूदगी से वह उत्तर-पूर्वी हिंद महासागर में अपनी ताकत बढ़ा सकता है। यह कदम इसलिए भी जरूरी हो गया था क्योंकि हाल ही में श्रीलंका ने चीन की तेल कंपनी सिनोपेक से 3.7 अरब डॉलर का निवेश हासिल किया है। यह निवेश श्रीलंका के दक्षिणी हिस्से में हंबनटोटा में तेल रिफाइनरी के लिए है और यह देश में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश है। यह कदम न सिर्फ श्रीलंका के लिए फायदेमंद है, बल्कि भारत के लिए भी एक बड़ी रणनीतिक जीत है। चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत लगातार अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते मजबूत कर रहा है। त्रिंकोमाली प्रोजेक्ट से भारत न केवल श्रीलंका में अपनी स्थिति मजबूत करेगा, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भी अपनी पकड़ को और सशक्त बनाएगा। पीएम मोदी का यह मास्टर स्ट्रोक न सिर्फ श्रीलंका, बल्कि पूरे क्षेत्र में भारत की ताकत को दिखाता है।

इस प्रोजेक्ट में यूएई को शामिल करना भी भारत की स्मार्ट रणनीति का हिस्सा है। यूएई भारत का एक बड़ा रणनीतिक और ऊर्जा साझेदार है। दोनों देशों ने 2018 में तीसरे देशों में संयुक्त विकास परियोजनाओं पर काम करने का फैसला किया था और यह प्रोजेक्ट उसी दिशा में एक कदम है। हालांकि, यूएई की इस प्रोजेक्ट में सटीक भूमिका अभी स्पष्ट नहीं है। विदेश सचिव मिस्री ने कहा कि यूएई की भागीदारी के बारे में विस्तार से जानकारी तब सामने आएगी, जब इस समझौते के तहत बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) चर्चाएं शुरू होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि अगला कदम होगा इस प्रोजेक्ट के लिए खास एजेंसियों और संस्थाओं को चुनना। ये सरकारी संस्थाएं हो सकती हैं, निजी क्षेत्र की कंपनियां हो

सकती हैं या फिर सरकार से जुड़े हुए संगठन हो सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# गंभीर खतरे की घंटी है प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक

ललित गर्ग

**अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग करते हैं। सरकारों के पास किसी भी नियम या अभियान को अमल में लाने के लिये सारे संसाधन उपलब्ध हैं, इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त भारत के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है?**

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं। लगातार दूषित होते जल, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों पर सरकार की जागरूकता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया जाता रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए सरकार ने ठान लिया है कि भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं,



दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। शोधकताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए?

वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्लास्टिक हम सबके शरीर में किसी-न-किसी के रूप में पहुंच रहा है। कैसे पहुंच रहा है, इसे जानने के लिए हमें पिछले दिनों अमेरिका के कोलोराडो में हुए एक अध्ययन के नतीजों को समझना होगा। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत माइक्रोप्लास्टिक के कहर के रूप में चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते?

पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन चुके जल और वायु प्रदूषण से बचने के लिए विश्वभर में नए-नए उपाय किए जा रहे हैं। जबकि प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि प्लास्टिक सिर्फ हमारे आस-पास रहने वाले अबोध जानवरों के पेट में ही पहुंच रहा है, तो आप गलत हैं।

अध्ययन में पता चला था कि लगभग सभी ब्रांडेड बोतल बंद पानी में भी प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण मौजूद हैं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए।

अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग करते हैं। सरकारों के पास किसी भी नियम या अभियान को अमल में लाने के लिये सारे संसाधन उपलब्ध हैं, इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त भारत के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

## संपादकीय

# पारदर्शिता है जरूरी

जज के निवास पर भारी मात्रा में नोटों के मिलने के विवाद के बाद सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों के बारे में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब पदभार ग्रहण करने के बाद सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपनी संपत्ति सार्वजनिक रूप से घोषित करने पर न्यायाधीशों ने सहमति जताई है। जजों की पूर्ण बैठक में यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। यह खुलासा पूर्णतया स्वैच्छिक होगा। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना सहित सर्वोच्च न्यायालय के तैंतीस जजों में से तीस जजों ने अपनी संपत्ति की घोषणा की। पूर्ण पीठ द्वारा संकल्प लिया गया कि जब भी कोई महत्त्वपूर्ण अधिग्रहण किया जाए तो इसकी घोषणा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी चाहिए। हालांकि यह विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास से आग लगने की घटना के बाद कथित तौर पर मिली नगदी के बाद यह बड़ा निर्णय लिया गया है। न्यायपालिका में पारदर्शिता और लोगों का विश्वास बनाए रखने की लिहाज से यह कदम दूरगामी साबित हो सकता है। यह प्रस्ताव सभी भावी जजों पर लागू होगा। हाई कोर्टों को भी इसका अनुसरण करना चाहिए। 1977 में भी इसी तरह के प्रस्ताव रखे जाने के बावजूद इन पर अमल नहीं लाया जा सकता था। चूंकि बीते दिनों उठे विवादों को लेकर काफी चिंता व्यक्त की जा रही है, इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि इस घोषणा की उपेक्षा नहीं की जाएगी। यूं तो राजनेताओं के पास मिलने वाली आय से अधिक संपत्ति के बाद संपत्ति की घोषणा भले ही की जा रही है मगर उसे जनता द्वारा संदेह की नजर से ही देखा जाता है। दूसरे, उन्होंने यह संपत्ति कहां से और कैसे अर्जित की, यह सवाल खड़ा ही रहता है। जीवन साथी या परिवार के अन्य सदस्यों के नाम जमा राशि या जमीन-जायदाद के मामले किसी से छिपे नहीं हैं। भ्रष्टाचार व काले धन को लेकर मोदी सरकार सत्ता में आने से पहले जितनी मुखर थी, अब उतनी मौन ओढ़े है। बहरहाल, सबसे बड़ी अदालत ने अनाप-शनाप काला धन कबाड़ने वालों को बड़ा संकेत दिया है। इस मसले में सरकार से नाउम्मीद हो चुकी जनता का अदालत पर भरोसा तो बढ़ेगा ही, साथ ही नई उम्मीद भी जाग सकती है।



## चिंतन-मनन

# विचारों की तरंगें

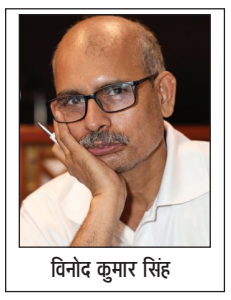

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

# रामेश्वरम् में बन गया आस्था व आर्थिक अनुठा संगम



विनोद कुमार सिंह



समंदर के सीने पर विज्ञान व तकनीक का शंखनाद देश का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेल पुल तैयार.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार, 6 अप्रैल 2025 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल,नए पंबन रेल पुल का उद्घाटन किया पुल की लंबाई व संरचनाः 2.08 किलोमीटर लंबे इस पुल में 99 स्पैन व 72.5 मीटर का वर्टिकल लिफ्ट स्पैन शामिल है .

डिजाइनः भविष्य की मांगों को ध्यान में रखते हुए,इसे दोहरी रेल पटरियों के लिए डिजाइन किया गया है।

रामायण के अनुसार, राम सेतु का निर्माण रामेश्वरम के पास धनुषकोडी से शुरू हुआ था, जिससे इस पुल का सांस्कृतिक महत्व और बढ़ जाता है।

पंबन रेल पुल भारतीय इंजीनियरिंग कौशल का प्रतीक है और देश के बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा.

भारतीय महाद्वीप पर महासूर्य की प्रथम किरण ने हिंद महासागर के किनारे पर अपना पाँव पखारेगी, रामभक्त अपने भगवान राम की जन्म जन्यती अथार्त रामनवमी का महापर्व मना रहा है।वही आस्था व धर्म की धार्मिक नगरी रामेश्वरम में भारतीय रेल द्वारा नवनिर्मित पंबन पुल 6 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र को समर्पित कर दिया है। इस संदर्भ में कहा जाता है कि शिव की मोक्ष नगरी की काशीवासी,जब तमिलनाडु का स्मरण करता है,उसे सर्व प्रथम श्री रामेश्वरम का ख्याल आता है।प्रधानमंत्री की दुरदर्शिता व दृढ़ संकल्प का यह परिणाम पंबन पुल है।जिसकी झलक आये दिनों आये दिनों देखने को मिलता रहता है उद्धाहरण के तौर पर काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर,अयोध्या में भव्य व दिव्य राममंदिर,रामेश्वरम में पंबन पुल है।सर्वविदित रहे कि नये पंबन पुल रामेश्वरम् में धार्मिक पर्यटन के साथ आर्थिक विकास की उड़ान में नए पंख देने वाला है।मै स्पष्ट कर दूं कि भारत का यह पहला समुद्र पर वर्टिकल लिफ्ट रेलवे पुल है, 535 करोड़ रुपये की लागत से बनी है, जिसकी लंबाई लगभग 2.8 किमी है। नया पुल समुद्र तल से 22 मीटर ऊंचा है।पुल के निर्माण से ट्रेनों को समुद्र पार करने में 5 मिनट से भी कम समय लगेगा,जबकि पहले इस सफर में 25 से 30 मिनट लगता था।नया पुल और बेहतर रेल सुविधाएं तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ाएंगी,जिससे पर्यटन से जुड़े व्यवसायों(जैसे होटल,दुकानें,व परिवहन)को सीधे लाभ होगा

रामेश्वरम में हर साल लाखों श्रद्धालु रामनाथस्वामी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं।प्रधानमंत्री के राजनीतिक दृष्टिकोण में ₹विकास₹ की केंद्रीय भूमिका रही है,और पंबन पुल जैसे बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का पूरा होना,उनके व्यक्तिगत मार्गदर्शन के बिना संभव नहीं था।आप को बताना चाहूँगा कि सन 2019 में प्रोजेक्ट का शिलान्यास करने के बाद उन्होंने उद्घाटन किया हैं।पंबन पुल, तमिलनाडु में आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए एक नए उत्प्रेरक के तौर पर काम करेगा । इससे मछुआरा समुदाय,व्यापारियों और पर्यटन उद्योग को सीधा फायदा होगा।बेहतर कनेक्टिविटी से माल ढुलाई और लोगों की आवाजाही बढ़ेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।इससे स्थानीय लोगों को आजीविका के स्तर पर सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।द्रविड़ राज्य के तटीय इलाकों का ये ह्यलाभार्थी वर्गह्व देख रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की पहल से उसका जीवन बदलने वाला है। ₹सबका साथ, सबका विकास₹ का यह विजन तमिलनाडु के ग्रामीण और तटीय इलाकों में प्रधानमंत्री के प्रभुत्व को स्थापित करता है।भाषा, क्षेत्रीय अस्मिता और द्रविड़ राजनीति के प्रभुत्व वाले तमिलनाडु में प्रधान मंत्री ने विकास का नैरेटिव खड़ा किया है।जो स्थानीय जरूरतों और तमिल गौरव और संस्कृति के सम्मान से जुड़ा है।मोदी ने सड़क पुल से एक ट्रेन और एक जहाज को हरी झंडी दिखाकर पुल के संचालन का निरीक्षण किया। यह पुल न केवल परिवहन को सुगम बनाएगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा,

# विश्व स्वास्थ्य दिवस : स्वस्थ समाज की ओर पहला कदम है जागरूकता

योगेश कुमार गोयल



सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य' विषय के साथ 75वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2024 का विषय था 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 यह दिवस 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## हुंडई ने घरेलू बाजार में की 5,98,666 यूनिट्स की बिक्री

**नई दिल्ली।** टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा को पीछे छोड़ते हुए वित्त वर्ष 2024-25 में हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी स्थिति बनाए रखी है। हुंडई मोटर कंपनी ने घरेलू बाजार में 5,98,666 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जबकि टाटा मोटर्स की बिक्री 5,53,585 यूनिट्स और महिंद्रा की बिक्री 5,51,487 यूनिट्स रही। हुंडई की इस सफलता में एसयूवी सेगमेंट का बड़ा योगदान रहा, जो कंपनी की कुल घरेलू बिक्री का 68.5प्रतिशत हिस्सा रहा। हुंडई की एसयूवी रेंज में एक्सटेर, वेन्यू, क्रेटा, अल्काजार और टूकसन जैसी लोकप्रिय गाड़ियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी ने एफवाय25 में 1,63,386 यूनिट्स का निर्यात किया, जिससे भारत हुंडई मोटर कंपनी का एक प्रमुख ग्लोबल एक्सपोर्ट हब बन गया है। हुंडई मोटर इंडिया के व्होल टाइम डायरेक्टर और सीओओ तरुण गर्ग ने इस उपलब्धि को ग्राहकों के विश्वास और कंपनी की रणनीतिक योजनाओं का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि इस साल हयूदै क्रेटा इलेक्ट्रिक और नई अल्काजार जैसे मॉडल्स के साथ एसयूवी पोर्टफोलियो और मजबूत हुआ है। गर्ग ने यह भी जानकारी दी कि कंपनी अब तक भारत में 25 लाख एसयूवी और 15 लाख क्रेटा गाड़ियों की बिक्री का रिकॉर्ड पार कर चुकी है। एफवाय24 में कंपनी ने 6,14,721 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 1,63,155 यूनिट्स के निर्यात का आंकड़ा छुआ था।

## संसदीय समिति की आलोचना- जिला खनिज फाउंडेशन कोष के स्थानांतरण पर चिंता

**नई दिल्ली।** संसद की एक समिति ने अपनी रिपोर्ट में दर्ज किया है कि देश के कई राज्यों में जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) कोष को खनन प्रभावित क्षेत्रों के कल्याण के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए स्थानांतरित करने पर चिंता जताई है। समिति ने बताया कि कुछ राज्यों में डीएमएफ कोष का अन्यत्र इस्तेमाल हो रहा है, जो उसके मूल उद्देश्य से भिन्न है। डीएमएफ कोष का मूल उद्देश्य है खनन से प्रभावित प्रत्येक भारतीय जिले के लिए एक गैर-लाभकारी सांविधिक कोष होना। संसद की रिपोर्ट में कहा गया है कि कई राज्यों में डीएमएफ कोष को निर्धारित उद्देश्यों के अलावा अन्यत्र इस्तेमाल होने के साथ-साथ इसका हस्तांतरण राज्य के खजाने या राज्यस्तरीय कोष में किया जा रहा है, जो खनन अधिनियम की मूल भावना का उल्लंघन करता है। कमेटी ने इसे विफलता और कानूनी अनियमितियों के रूप में देखा है।

## एक लीटर पेट्रोल में 73 किमी का माइलेज देती है हीरो बाइक

**नई दिल्ली।** अगर आप ऑफिस आने-जाने के लिए फ्यूल एफिशिएंट बाइक की तलाश में हैं, तो हीरो स्प्लेंडर प्लस एक्सटेक 2.0 आपके लिए एक बेहतरीन चॉइस हो सकती है। हीरो मोटोकॉर्प की इस बाइक की दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत 83,571 रुपए है। आरटीओ, इंश्योरेंस और अन्य चार्ज जोड़ने पर इसकी ऑन-रोड कीमत राज्य अनुसार अलग-अलग हो सकती है, लेकिन यह फिर भी 84,000 रुपए से कम में आ सकती है। हीरो स्प्लेंडर प्लस एक्सटेक 2.0 में 9.8 लीटर का फ्यूल टैंक है और कंपनी का दावा है कि यह बाइक अराई सर्टिफिकेशन के अनुसार एक लीटर पेट्रोल में 73 किलोमीटर का माइलेज देती है। यानी फुल टैंक पर यह बाइक लगभग 715 किलोमीटर तक चल सकती है। हालांकि, असली माइलेज सड़क की स्थिति और राइडिंग स्टाइल पर निर्भर करता है। इस बाइक में 97.2 सीसी का 4-स्ट्रोक, एयर-कूल्ड सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है जो पावरफुल परफॉर्मेंस के साथ अच्छी ईंधन दक्षता भी देता है। ब्रेकिंग के लिए फ्रंट और रियर दोनों में ड्रम ब्रेक्स दिए गए हैं। बाइक के फीचर्स भी काफी आधुनिक हैं। इसमें फुल डिजिटल मीटर, रियल टाइम माइलेज इंडिकेटर, इको इंडिकेटर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ कॉल और एसएमएस अलर्ट, और हजार्ड लाइट जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

# आरबीआई की समीक्षा बैठक के फैसले पर रहेगी बाजार की नजर

### भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और गहराने की संभावना

**मुंबई।**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ में ज्यादा बढ़ोतरी किये जाने से वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध गहराने एवं आर्थिक मंदी की आशंका में बीते सप्ताह ढाई प्रतिशत से अधिक की गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निर्णय पर नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार नए वित्तीय वर्ष 2025-26 की शुरुआत धीमी रही है, जिसका प्रमुख कारण अमेरिका द्वारा अपेक्षा से अधिक टैरिफ लगाया जाना है। इससे आईटी और धातु जैसे क्षेत्रों ने व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं और संभावित जवाबी व्यापार कदमों की आशंका को दर्शाता है। निवेशक अब वैश्विक व्यापार साझेदारों की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई पर करीबी नजर बनाए हुए हैं, जिससे भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और गहराने की संभावना है। इस सतर्क रुख का असर सोने और बॉन्ड जैसी निवेश के लिए सुरक्षित गंतव्य मानी जाने वाली परिसंपत्तियों की ओर बढ़ते झुकाव में भी देखा जा रहा है, जहां कीमतों में निरंतर तेजी बनी हुई है। वहीं भारत पर लगाए गए टैरिफ की दर अन्य एशियाई देशों की तुलना में कम रही है, जो बाजार के लिए कुछ राहत की बात है। साथ ही निवेशकों की निगाहें आरबीआई की चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की बैठक पर भी टिकी हैं। यदि फैसला अनुकूल रहता है, तो ब्याज दर के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों को इसका लाभ मिल सकता है। इसके अलावा, भारत की महंगाई के आंकड़े और अमेरिका में बेरोजगारी के दावे जैसे प्रमुख मैक्रोइकोनॉमिक संकेतकों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी क्योंकि ये आंकड़े दोनों देशों की आर्थिक स्थिति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी बीच निवेशकों का फोकस धीरे-धीरे 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनियों के तिमाही परिणाम की ओर बढ़ रहा है। शुरुआती संकेतों से यह स्पष्ट है कि आय में वृद्धि की गति सुस्त रह सकती है क्योंकि मांग में कमजोरी और लागत दबाव के चलते कंपनियों के मार्जिन प्रभावित हो सकते हैं। विशेष रूप से आईटी क्षेत्र की आय कमजोर रहने की आशंका जताई जा रही है।

## सिक्किमः भारत का एकमात्र राज्य जिसे नहीं देना होता कोई टैक्स

**नई दिल्ली।** भारत में इनकम टैक्स का मोर्चा हमेशा चर्चा का विषय रहता है। लेकिन सिक्किम एक ऐसा राज्य है जहां नागरिकों को कोई टैक्स नहीं देना होता है। यह इसलिए है क्योंकि इस राज्य में लागू किए गए खास कानूनों के तहत कोई भी व्यक्ति को भारत सरकार को आयकर नहीं देना होता है। सिक्किम को 1975 में भारत में विलय किया गया था और वादा किया था कि इस राज्य के पुराने कानून और विशेष दर्जे बरकरार रहेंगे। जिसे 1948 का सिक्किम आयकर मैनुअल सुनिश्चित करता है। इस नियम के अनुसार, सिक्किम के रहने वाले सभी नागरिकों को टैक्स मुक्ति प्राप्त है। वर्ष 2008 में सिक्किम के लिए केन्द्रीय बजट में एक विशेष अनुमान शामिल किया गया जिसने राज्य के 94 फीसदी से अधिक लोगों को आयकर से छूट दी। इसके अलावा, सिक्किम के व्यक्तियों को शेयरों पर डिविडेंड और अर्जित आय पर भी छूट प्राप्त होती है। सिक्किम का यह विशेष दर्जा यहां के नागरिकों के लिए एक बड़ी राहत है। आम व्यक्ति इस सिक्किमी निवासी सुविधा का अच्छे से अच्छे विकल्पों के साथ लाभ उठा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2008 में सिक्किम के कर कानून निरस्त कर दिए गए। उस वर्ष केंद्रीय बजट में धारा 10 डालकर राज्य के निवासियों को टैक्स से छूट दी गई।

## अमेरिकी राष्ट्रपति के शुल्क लगाने से एफपीआई पर पड़ा भारी दबाव

### एफपीआई ने चार कारोबारी सत्रों में शेयरों से निकाले 10,355 करोड़

**नई दिल्ली।**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुल्क लगाए जाने से दुनिया भर के निवेशकों को परेशानी में डाल दिया है। ट्रंप की शुल्क नीति ने भारतीय शेयर बाजार में उथल-पुथल मचा दी है, जिसका सीधा प्रभाव विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) पर पड़ रहा है। एफपीआई ने पिछले चार कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजार से लगभग 10,355 करोड़ रुपये निकाले हैं, जिससे मार्च महीने में उनकी कुल निकासी 3,973 करोड़ रुपये रही है। इससे पहले, वे फरवरी में भारत से 34,574 करोड़ रुपये निकाल चुके थे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक और बीडीओ इंडिया के भागीदार भारतीय शेयरों से पैसे निकाले जाने पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। इन घटनाक्रमों के प्रभाव से अमेरिकी बाजारों में भी भारी गिरावट आई है, और वैश्विक व्यापार और आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ सकता है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए डॉलर की मज़बूती के लिए भी चिंता है, जो पूंजी प्रवाह को सकारात्मक रूप में प्रदान कर सकता है। एफपीआई की कुल निकासी अब 1.27 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है, जबकि वे बॉन्ड और ऋण बाजार से 556 करोड़ रुपये और प्रतिधारण मार्ग से 4,038 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। विदेशी शुल्कों के बढ़ने से भारत और अन्य देशों पर महंगाई बढ़ने की संभावना है, जिससे वैश्विक व्यापार और आर्थिक वृद्धि पर असर देखने की संभावना है। मामूली गिरावट से अभी तक प्रभावित होने वाले विदेशी निवेशक और बाजारों को अब अज्ञात भविष्य का मुकाबला करना होगा।

# सेंसेक्स की शीर्ष नौ कंपनियों का मार्केट कैप 2.94 लाख करोड़ घटा

### - सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही

**मुंबई।**

पिछले सप्ताह कम कारोबारी सत्रों के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,94,170.16 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। भारती एयरटेल एकमात्र कंपनी रही, जिसकी बाजार हैसियत बढ़ी है। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 1,10,351.67 करोड़ रुपये घटकर 11,93,769.89 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 95,132.58 करोड़ रुपये घटकर 16,30,244.96 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 49,050.04 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 6,03,178.45 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 14,127.07 करोड़ रुपये घटकर 5,40,588.05 करोड़ रुपये रही। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 9,503.66 करोड़ रुपये घटकर 9,43,264.95 करोड़ रुपये पर आ गया। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 8,800.05 करोड़ रुपये घटकर 13,90,408.68 करोड़ रुपये पर

और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 3,500.89 करोड़ रुपये घटकर 5,27,354.01 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,391.35 करोड़ रुपये घटकर 6,85,232.33 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 312.85 करोड़ रुपये घटकर 5,12,515.78 करोड़ रुपये पर आ गई। इस रुख के विपरीत भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 7,013.59 करोड़ रुपये बढ़कर 9,94,019.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

# अमेरिका ने 10 फीसदी टैरिफ की वसूली शुरू की

### यह शुल्क अमेरिकी बंदरगाहों, हवाई अड्डों और कस्टम गोदामों पर हुआ लागू

**नई दिल्ली।**

अमेरिका ने शनिवार से डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित 10 फीसदी टैरिफ (शुल्क) की वसूली शुरू कर दी है। ये शुल्क उन देशों से आने वाले सभी आयात पर लागू हो गया है जिनसे अमेरिका का व्यापार है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह शुल्क अमेरिकी बंदरगाहों, हवाई अड्डों और कस्टम गोदामों पर शनिवार सुबह 12:01 बजे (ईटी समयानुसार) से लागू हो गया। इसके साथ ही ट्रंप प्रशासन ने दूसरे चरण में 57 बड़े व्यापारिक साझेदार देशों पर और ज्यादा शुल्क लगाने का ऐलान किया है, जो अगले बुधवार से प्रभावी होंगे। पूर्व व्हाइट हाउस ट्रेड सलाहकार केली एन शॉ ने इसे हमारे जीवन का सबसे बड़ा व्यापारिक फैसला बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला भविष्य में बदलेगा, जब देश अमेरिका से बातचीत करके टैरिफ कम कराने की कोशिश करेंगे। ट्रंप के इस फैसले का असर ग्लोबल मार्केट पर साफ दिखा। बुधवार को ऐलान के बाद सिर्फ दो दिनों में एसएंडपी 500 इंडेक्स की कंपनियों में 5 ट्रिलियन डॉलर की गिरावट दर्ज हुई। तेल और अन्य कमोडिटीज के दाम गिरे और निवेशकों ने सरकारी बॉन्ड्स को सुरक्षित विकल्प मानकर खरीदना शुरू कर दिया। ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, ब्राज़ील, कोलंबिया, अर्जेंटीना और सऊदी अरब जैसे देशों पर यह 10 फीसदी टैरिफ पहले ही लागू हो गया है, जबकि इनका पिछले साल अमेरिका के साथ व्यापार घाटा नहीं था। व्हाइट हाउस का कहना है कि अगर इन देशों की नीतियां निष्पक्ष होतीं, तो व्यापार घाटा और बड़ा होता। अमेरिकी कस्टम एजेंसी ने बताया कि जिन मालवाहक जहाजों ने टैरिफ लागू होने से पहले लोडिंग या ट्रांजिट शुरू कर दिया है, उन्हें 51 दिन की छूट मिलेगी। यानी अगर वे 27 मई तक अमेरिका पहुंचते हैं तो उन्हें 10 फीसदी शुल्क नहीं देना होगा। बुधवार से ट्रंप की

रिसिप्रोकल टैरिफ नीति के तहत 11 से 50 फीसदी तक का शुल्क शुरू होगा। यूरोपियन यूनियन पर 20 फीसदी, चीन पर 34 फीसदी और वियतनाम पर 46 फीसदी टैरिफ लगेगा। इससे चीन पर कुल शुल्क 54 फीसदी तक पहुंच जाएगा। चीन ने ट्रंप के फैसले को लेकर कहा कि बाज़ार ने जवाब दे दिया है चीन ने भी अमेरिका के सामानों पर 34 फीसदी का टैरिफ लगाया है और कुछ दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर रोक लगाई है। इधर ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह एक आर्थिक क्रांति है और हम जीतेंगे।

## टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद

### कंपनी बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने और नए मॉडल पेश करने की बना रही योजना

**नई दिल्ली।**

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने चालू वित्त वर्ष में भी अपनी बिक्री में वृद्धि की रफ्तार कायम रखने की उम्मीद जताई है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की योजना है चालू वित्त वर्ष में अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने और नए मॉडलों की पेशकश करने की। वाधवा ने बताया कि कंपनी अपने एसयूवी और एमपीवी वाहनों की मांग मजबूत रखने की उम्मीद रख रही है। उन्होंने इस बारे में कहा कि कंपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और कार्बन निरपेक्षता के मामले में अपनी प्रतिबद्धता के तहत विद्युतीकरण की संभावना देख रही है। उन्होंने यह भी जताया कि कंपनी स्थिति मजबूत करने और वाहन बाजार में अधिक भूमिका निभाने के लिए बढ़े हुए हैं। इसके साथ ही कंपनी देश के ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में अपनी उपस्थिति का विस्तार भी करना चाहती है। अे धिकारी ने बताया कि कंपनी द्वारा निर्यात में भी अच्छी वृद्धि देखी जा रही है और उनकी योजना है कि वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात को और भी बढ़ावा दें। टीकेएम ने जारी किया यह बड़ा लक्ष्य और उनकी योजनाओं में तेजी और भरोसा देखा जा रहा है।

# टेस्ला के आने से बढ़ेगा भारत में ईवी बाजार, प्रतिस्पर्धा को लेकर चिंतित नहीं: बीएमडब्ल्यू

### कंपनी के अ धिकरी ने कहा, भारत में दो ब्रांड बीएमडब्ल्यू और मिनी के तहत कुल 1,249 इलेक्ट्रिक कार बेच चुके हैं

**नई दिल्ली।**

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा है कि वह भारत के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में टेस्ला के आने की संभावना को लेकर चिंतित नहीं है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का मानना है कि टेस्ला के आने से इस खंड को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा के समूह भारत में दो ब्रांड बीएमडब्ल्यू और मिनी के तहत कुल 1,249 इलेक्ट्रिक कार बेच चुका है। 2025 की पहली तिमाही में कंपनी पहले ही 646 इकाइयां बेच चुकी है। उन्होंने कहा कि हमने भारत में अपनी कुल बिक्री में से 15 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन के जरिये हासिल करने का अनुमान लगाया है। मुझे लगता है कि बाजार बढ़ना चाहिए। जब भी अधिक प्रतिस्पर्धा होती है, तो हमने देखा है कि बाजार बढ़ता है। उनसे पूछा गया था कि टेस्ला के भारत में प्रवेश करने के साथ ईवी बाजार कैसे आकार लेगा और इसपर बीएमडब्ल्यू का क्या रुख रहेगा। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता से प्रतिस्पर्धा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी बाजारों में, हम साथ-साथ मौजूद हैं। आप पिछले साल दुनियाभर के आंकड़े देख सकते हैं, हम ही हैं जो आगे बढ़ रहे थे। वैश्विक स्तर पर हमारी ईवी की बिक्री बढ़ी है। उन्होंने कहा कि बहुत अधिक विनिर्माता इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में वृद्धि के बारे में बात नहीं कर सकते हैं। वर्ष 2024 में बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने कुल 4,26,594 पूर्ण-इलेक्ट्रिक वाहन बेचे और ईवी की बिक्री में उसने 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। बीएमडब्ल्यू और मिनी दोनों ब्रांड ने क्रमशः 3,68,523 इकाइयों (11.6 प्रतिशत) और 56,181 इकाइयों (24.3 प्रतिशत) के साथ इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री में दो अंकीय वृद्धि दर्ज की।

## स्टैंड-अप इंडिया योजना में स्वीकृत की गई लोन राशि बढ़कर 61,020.41 करोड़ रुपये हुई

**नई दिल्ली।**

स्टैंड-अप इंडिया योजना ने बीते कुछ वर्षों में शानदार वृद्धि दर्ज की है, इसके तहत स्वीकृत की गई कुल लोन राशि 31 मार्च, 2019 को 16,085.07 करोड़ रुपये से बढ़कर 17 मार्च, 2025 तक 61,020.41 करोड़ रुपये हो गई है। इसकी जानकारी केंद्र की ओर से दी गई। इस अवधि में एससी खाते 9,399 से बढ़कर 46,248 हो गए, जबकि लोन राशि 1,826.21 करोड़ से बढ़कर 9,747.11 करोड़ रुपये हो गई। एसटी खाते 2,841 से बढ़कर 15,228 हो गए, जबकि स्वीकृत किए गए लोन 574.65 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,244.07 करोड़ रुपये हो गए। वित्त मंत्रालय ने कहा, 2018 से 2024 तक महिला उद्यमियों के खाते 55,644 से बढ़कर 1,90,844 हो गए, जबकि स्वीकृत की गई राशि 12,452.37 करोड़ रुपये से बढ़कर 43,984.10 करोड़ रुपये हो गई।

स्टैंड-अप इंडिया योजना परिवर्तनकारी पहल रही है, जो एससी, एसटी और महिला उद्यमियों को उनके व्यावसायिक विचारों को वास्तविकता में बदलने का मौका देती है।

मंत्रालय ने बताया, लोन स्वीकृति और वितरण में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ योजना समावेशी विकास को बढ़ावा देना जारी रखती है। योजना केवल लोन को लेकर नहीं है, बल्कि यह अवसर पैदा करने, बदलाव लाने और आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदलने को लेकर भी है। 5 अप्रैल, 2016 को अपनी शुरुआत के बाद से, स्टैंड-अप इंडिया योजना एससी, एसटी और महिला उद्यमियों को सशक्त बना रही है। योजना का मकसद नए व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंक लोन प्रदान कर बाधाओं को दूर करना है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, बीते 7 वर्षों में, योजना ने न केवल व्यवसायों को फंड उपलब्ध करवाया बल्कि लाखों लोगों के सपनों को भी पूरा किया। इसके साथ ही आजीविका का सृजन करते हुए पूरे भारत में समावेशी विकास को बढ़ावा दिया है। स्टैंड-अप इंडिया योजना ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए प्रत्येक बैंक शाखा कम से कम एक अनुसूचित जाति (एससी) या अनुसूचित जनजाति (एसटी) उधारकर्ता और कम से कम एक महिला उधारकर्ता को 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच बैंक लोन की सुविधा प्रदान करती है।

## यूएसबी-सी चार्जिंग वाली नोवा और नोवा प्रो बाइक्स पेश

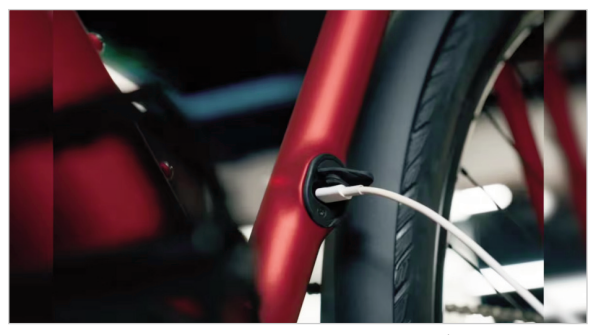

**नई दिल्ली।**

ई-बाइक निर्माता एम्पलेर ने यूएसबी-सी चार्जिंग वाली नोवा और नोवा प्रो बाइक्स पेश की हैं। इन बाइक्स में यूएसबी-सी पोर्ट को फ्रेम में इंटीग्रेट किया गया है, जिससे इन्हें किसी भी लैपटॉप चार्जर या अन्य यूएसबी-सी चार्जिंग डिवाइस से चार्ज किया जा सकता है। इस पोर्ट के जरिए गैजेट्स को भी चार्ज किया जा सकता है, हालांकि यह सुविधा अभी केवल यूरोप के लिए उपलब्ध है। एम्पलेर की नोवा सीरीज की बाइक्स में 48वी 336 डब्ल्यूएच की इंटीग्रेटेड बैटरी दी गई है, जिसे यूएसबी-सी पीडी 3.1 चार्जर की मदद से महज तीन घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। आमतौर पर इतनी क्षमता की बैटरी को चार्ज होने में पांच घंटे या उससे ज्यादा का समय लग जाता है, लेकिन नई तकनीक के जरिए यह प्रक्रिया तेज हो गई है। 240 वॉट यूएसबी-सी चार्जर आने से चार्जिंग और भी तेज हो सकती है। कंपनी ने इन बाइक्स को आईकेईए और मेकबुक चार्जर के साथ भी टेस्ट किया है। यदि ग्राहक के पास संगत चार्जर नहीं है, तो एम्पलेर 80 में 140 वॉट यूएसबी-सी पीडी 3.1 चार्जर उपलब्ध कराएगा। नोवा और नोवा प्रो बाइक्स यूके, ईयू और स्विट्जरलैंड में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध हैं और इनकी शिपिंग जून 2025 से शुरू होगी। कंपनी ने जर्मनी में सर्विस सेंटर्स और यूरोप में एम्पलेर फ्रेंडली वर्कशॉप्स का एक नेटवर्क तैयार किया है। हर बाइक के साथ दो साल की वारंटी और 14 दिनों की रिटर्न पॉलिसी दी जा रही है। बता दें कि दुनियाभर में इलेक्ट्रिक बाइक्स की मांग तेजी से बढ़ रही है और अब लोग ग्रीन मोबिलिटी की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। हालांकि, इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ चार्जिंग की समस्या बनी हुई है, जिससे पेट्रोल वाहनों की तुलना में इनकी बिक्री अब भी कम है।

# राजस्थान में रीको 533 औद्योगिक भूखंडों का करेगा आवंटन

### 7 अप्रैल से शुरू होगी प्रक्रिया

**जयपुर।**

राजस्थान में औद्योगिक विकास के लिए राजस्थान इंडस्ट्रियल विकास एवं निवेश कॉर्पोरेशन लिमिटेड (रीको) ने राजस्थान में पूंजी निवेश करने वाले उद्योगपतियों, औद्योगिक समूहों और निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। राजस्थान सरकार के तहत रीको इस माह 533 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन करेगा। इन भूखंडों का आवंटन करने की प्रक्रिया 7 अप्रैल से शुरू होगी और ईएमडी जमा कराने की अंतिम तिथि 21 अप्रैल, 2025 तक रखी गई है। रीको ने एक बड़े पूल के माध्यम से 103 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया था, जिससे उसे 353 करोड़ रुपए की आय हुई थी। अब, आवंटन हो रहे इन भूखंडों की बिक्री से रीको को करोड़ों रुपए की राजस्व आय होने की संभावना है। इन भूखंडों का आवंटन किया जाने वाला है वे काफी प्रीमियम प्रॉपर्टीज हैं, जो राजस्थान के औद्योगिक विकास को एक नई ऊँचाई देंगे।

आवंटन की गई इन 533 औद्योगिक भूखंडों में आबूरोड़, अजमेर, अलवर, भिवाड़ी, बोरानाड़ा, दौसा, घिलौठ, जयपुर, जोधपुर, किशनगढ़, मंडोर, और नीमराना शहरों में समाहित है। इसके अलावा, बालोतरा, झालावाड़, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चूरू, नागौर, पाली, जालोर, राजसमंद, झुंझुनूं, कोटा, सीकर, श्रीगंगानगर, उदयपुर और सवाई माधोपुर क्षेत्रों में औद्योगिक प्लॉट्स भी उपलब्ध हैं। रिको की टर्म लोन स्कीम के तहत, निवेशक भूमि की लागत का 75 फीसदी राशि का ऋण ले सकेंगे, जिसके लिए उन्हें 8.5 फीसदी ब्याज दर के साथ भुगतान करना होगा। कुल राशि का 25 फीसदपी जमा करने के बाद, उन्हें शेष राशि का भुगतान 11 किस्तों में किया जा सकेगा। इसके साथ ही, रीको नॉन इंडस्ट्रियल प्लॉट की आवंटन प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू होने की संभावना है।

रीको द्वारा उठाए गए कदम से राजस्थान में युवाओं के लिए नोकरी के अवसरों में भी वृद्धि होने की संभावना है, जो राजस्थान के औद्योगिक विकास को पुनर्जीवित कर सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# आईपीएल में मुम्बई और आरसीबी में आज होगा मुकाबला

**मुंबई (एजेंसी)।** मुंबई इंडियंस की टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से मुकाबला करेगी। मुम्बई का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही लीग में वापसी करना रहेगा। उसे अभी तक चार में से तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टीम को स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा के अलावा और तिलक वर्मा के खराब प्रदर्शन का खामियाजा भी भुगतना पड़ा है। मुंबई की बल्लेबाजी अभी तक सूर्यकुमार पर टिक है केलव सूर्या ने चार मैच में 177 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने लखनऊ के खिलाफ अर्धशतक लगाया था पर इसके बाद भी टीम जीत नहीं पायी क्योंकि अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ कप्तान हार्दिक पांड्या को छोड़कर उसके अन्य गेंदबाज विफल रहे थे। पांड्या ने ही केवल पांच विकेट लिए थे। मुंबई इंडियंस के लिए राहत की बात ये है कि उसके प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम से जुड़ गए हैं हांलांकि वह खेल पाते हैं या नहीं ये अभी तय नहीं है। ऐसे में मुंबई की टीम को अगर जीत हासिल करनी है तो उसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दूसरी ओर रजत पाटीदारी की कप्तानी में आरसीबी का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज फार्म में हैं जिसका उसे लाभ मिलेगा। टीम को स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीदें रहेंगी। उसकी बल्लेबाजी विराट के अलावा फिल साल्ट और देवदत्त पडिक्कल और रजत पाटीदारी जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी। टिम डेविड से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। टीम के पास जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जैसे तेज गेंदबाज हैं पर उसकी कमजोर कड़ी अच्छे स्पिनर का नहीं होना है।

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**मुंबई इंडियंस :** हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रयान रिकेल्टन, श्रीजीत कृष्णन, बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिशेल सेंटनर, राज अंगद बावा, विग्नेश पुथुर, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेट्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान, जसप्रीत बुमराह।

**रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु:** रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लियाम लिविंगस्टोन, क्रुणाल पंड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह, मोहित राठी, यश दयाल।

# रोहित और मैं एक दूसरे पर काफी भरोसा करते हैं : विराट

**मुम्बई (एजेंसी)।** मुंबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट ने कहा है कि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा से उनका काफी अच्छा रिश्ता रहा है। दोनो ही एकदूसरे पर काफी भरोसा करते हैं और अब तक के करियर में उनका लक्ष्य टीम की जीत के लिए योगदार देना रहा है। रहा है क्योंकि उन्होंने टीम के लिए मैच जीतने के काम को करने के लिए एक-दूसरे पर भरोसा किया है। विराट ने आईपीएल में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले कहा, , जब आप इतने लंबे समय तक किसी के साथ खेलते हैं और आप खेल के बारे में विचार साझा करते हैं तो दोस्ती होना स्वाभाविक बात है। शुरुआत में, आप एक-दूसरे से सीख रहे होते है, आप शायद एक ही समय में अपने करियर में आगे बढ़ रहे होते हैं, और आप सभी तरह के सवाल साझा करते हैं। हमने टीम के नेतृत्व के मामले में बहुत करीब से काम किया है। इसलिए हमेशा विचारों पर बात होती थी और हम उस विशेष स्थिति या उस विशेष खेल की मांग को लेकर ही खेलते थे।

इस दोनो ने ही भरतीय टीम के लिए कई मैच जीते हैं और 2013 और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने मिलकर काम किया। इसके अलावा 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीतने के साथ ही टी20 प्रारुप से संन्यास लिया। उन्होंने कहा, एक विश्वास कारक है जो टीम के लिए काम करने के लिए एक-दूसरे पर भरोसा करने को लेकर बनता है। हमने भारत के लिए इतने लंबे समय तक एक साथ खेलने का आनंद लिया है। हम अपने करियर को इतना लंबा बनाने में सक्षम थे क्योंकि जब हम युवा थे, जैसा कि मैंने कहा, यह पक्का नहीं था कि हम भारत के लिए 15 साल तक खेलने जा रहे हैं। कोहली ने अंत में कहा, यह यात्रा बहुत लंबी और लगातार जारी रही। इसलिए, मैं उन सभी यादों और पलों के लिए बहुत-बहुत आभारी और बहुत खुश हूं, जिन्हें हमने साझा किया है। विराट के इस बयान से उनक बातों पर भी विराम लग गया जिसमें कहा जाता रहा है कि दोनो के बीच मतभेद रहे हैं।

# मुम्बई इंडियंस ने आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से पहले बुमराह को शामिल किया

**मुंबई (एजेंसी)।** तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल खेलने के लिए तैयार हैं। बुमराह को मुंबई इंडियंस ने सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले शामिल किया है। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गये थे। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर हैं। अब आईपीएल के जरिये बुमराह की वापसी हो रही है। बुमराह पिछले पांच सप्ताह से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब के दौर से गुजर रहे थे। इस तेज गेंदबाज ने मुम्बई के साथ आने की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट में साझा की है। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अभ्यास मैच खेलने और उसके बाद मेडिकल टीम से अनुमति मिलने के बाद ही अपनी टीम के शिविर में शामिल हुए है पर अभी भी वह आरसीबी के खिलाफ अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे या नहीं कहा नहीं जा सकता। माना जा रहा है कि आरसीबी के खिलाफ मैच में खेलने का फैसला वह मुख् कोच महेला जयवर्धने से बातचीत के बाद करेंगे। साल 2013 में आईपीएल में पदार्पण करने के बाद से ही बुमराह मुम्बई के मुख्य खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने टीम की ओर से 133 मैचों में 165 विकेट लिए हैं।

# आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर है दिल्ली शीर्ष , सनराइजर्स अंतिम स्थान पर

**मुम्बई (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग ( आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 6 अंक लेकर आईपीएल अंक तालिका में पहले स्थान पर है। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम लगातार तीन मैच हारी है और वह अंकतालिका में 9वें नंबर पर खिसक गई है। वहीं पंजाब किंग्स की लगातार दो जीत के बाद पहली हार मिली है। इस हार से पंजाब की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर फिसल गई है। वहीं राजस्थान रॉयल्स सातवें नंबर पर बनी हुई है। आईपीएल अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स पहले और सनराइजर्स हैदराबाद अंतिम 10वें नंबर पर है। वहीं दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू है। मुंबई इंडियंस 8वें नंबर पर है। मुंबई इंडियंस की टीम टूर्नामेंट में 3 मैच हारी है। मुंबई के अलावा चेन्नई सुपरकिंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें भी 3-3 मैच हारी हैं। आईपीएल 2025 की ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ में अधिकतर विदेशी खिलाड़ी हैं। इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेल रहे वेस्टइंडीज के निकलस पूरन ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे अधिक 201 रन बनाकर पहले नंबर हैं। वहीं भारत के साई सुदर्शन 186 रन व ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श 184 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। इसके अलावा पर्पल कैप की बात करें तो अफगानिस्तान के नूर अहमद 10 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट रेस में सबसे आगे हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क 9 व भारत के हार्दिक पंड्या 8 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं।

## पंजाब के खिलाफ अपने प्रदर्शन से खुश हैं आर्चर

मोहाली । आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर अपने प्रदर्शन से खुश हैं। आर्चर शुरुआती मैचों में असफल रहे थे पर पंजाब के खिलाफ तीन विकेट लेकर अन्होंने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। आर्चर ने कहा कि दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर विकेट मिलने का उन्हें भरोसा नहीं था। वहीं इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैचों में आर्चर ने काफी रन दिये थे। इसके बाद उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स पर राजस्थान की जीत के दौरान एक विकेट लेकर लय हासिल की। वहीं पंजाब के खिलफ मैच में आर्चर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए प्रियांश आर्य और श्रेयस अय्यर को पहले ओवर में आउट कर दिया। पंजाब के खिलाफ 25 रन देकर तीन विकेट लिए। आर्चर ने कहा, मैंने शुरुआत में सोचा कि अगर मैं खिलाड़ियों को अच्छी शुरुआत दे सकता हूं, तो विरोधी टीम पर दबाव बना रहेगा। मुझे लगता है कि गेंद को थोड़ा और स्विंग करना चाहिए था। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह इतना स्विंग नहीं करेगी, लेकिन मैं खुश हूं कि मैं पहली गेंद पर विकेट लेने में सफल रहा और लय में बना रहा।।

# सीएसके का ये युवा गेंदबाज धोनी को मानता है क्रिकेटिंग फादर

**चेन्नई (एजेंसी)।** चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को टीम के ही एक खिलाड़ी ने अपना क्रिकेटिंग फादर बताया है। ये खिलाड़ी कोई और नहीं, पेसर मथीशा पथिराना हैं। पथिराना ने आईपीएल 2022 में डेब्यू किया था। वे एडम मिल्ने के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम से जुड़े थे और इसके बाद से लगातार सीएसके के लिए गेंदबाजी कर रहे हैं। मथीशा उन खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले रिटेन किया था। सीएसके द्वारा जारी डॉक्यूमेंट्री में, पथिराना की मां ने आईपीएल की शुरुआत के बाद से सीएसके के दिग्गज धोनी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, धोनी के बारे में कोई शब्द नहीं है। वास्तव में वे भगवान की तरह। मथीशा, जिस तरह से पिता का सम्मान करता है, उसी तरह से वह धोनी का भी सम्मान करता है। पथिराना परिवार के लिए धोनी पिता की तरह हैं। 2022 में जब वे सीएसके का हिस्सा बने तब उन्हें अपने देश में भी ज्यादा लोग नहीं जानते थे। अब वे बड़ा नाम और पैसा कमा चुके हैं। पथिराना कहते हैं, धोनी मेरे पिता की तरह हैं, क्योंकि जब मैं सीएसकू में होता हूं तब वे मुझे बहुत समर्थन, मार्गदर्शन और सलाह देते हैं।

# राजस्थान रॉयल्स की सलामी जोड़ी अद्भुत : माइकल क्लार्क

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और टीवी कमेंटेटर माइकल क्लार्क ने टाटा आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की जोड़ी अदभुद है और यह किसी भी मैच में पासा पलटने की कुव्वत रखती है। कुहल फैन्स मैच सेंटर लाइव ऑन जियोहॉटस्टार पर क्लार्क ने कहा, 'जायसवाल ने आज शानदार प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि वह पहले के मैचों की तुलना में शुरुआत में थोड़ा ज्यादा सतर्क थे। कुछ अच्छे शॉट्स ने उसे आत्मविश्वास दिया और वहीं से गति पकड़ी। अगर आप उसके वैगन व्हील को देखें, तो वह पार्क के चारों ओर शॉट मारता है। उसे लेग साइड पसंद है, लेकिन कीपर के ऊपर से ऊपर की ओर शॉट मारना और उसका कवर ड्राइव उसके पास सभी शॉट हैं। अगर वह खुद को बस कुछ गेंदें दे, यहां तक कि पहले ओवर में ज़मीन पर हिट करने की कोशिश करे, तो वह बहुत विनाशकारी हो सकता है।' उन्होने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स एक अलग टीम है जब उनका ओपनिंग कॉम्बिनेशन आग उगलता है। वे बहुत शक्तिशाली हैं। रियान पराग के बारे में संजय मांजरेकर ने कहा, 'मुझे वाकई लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के लिए रियान पराग की पारी और भी महत्वपूर्ण थी। हां, जायसवाल ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी, लेकिन वह 14वें ओवर में आउट हो गए। उसके बाद, पराग ने अपना समय लिया और मुझे थोड़ी चिंता हुई कि शायद वह बहुत धीमी गति से खेल रहे हैं, लेकिन फिर उन्होंने धमाका कर दिया। अब वह जानते हैं और भरोसा करते हैं कि वह धीमी शुरुआत की भरपाई कर सकते हैं। पहली 13 गेंदों में उनका स्ट्राइक रेट 100 से थोड़ा ज्यादा था। अगली 13-14 गेंदों में यह 200 के करीब था। उस पारी ने राजस्थान रॉयल्स को एक बेहतरीन स्थिति में पहुंचा दिया।'

# भारत ने विश्व मुक्केबाजी कप में एक गोल्ड सहित जीते कुल छह पदक

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय मुक्केबाजों ने ब्राजील के फोज डू इगुआकू में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप में अपने अभियान का अंत छह पदक के साथ किया जिसमें हितेश का स्वर्ण पदक भी शामिल है। भारत विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित किसी शीर्ष स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा ले रहा था।

हितेश विश्व मुक्केबाजी कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए हैं। उनके प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के ओडेल कामारा चोटिल हो गए थे और शनिवार को 70 किग्रा वर्ग के फाइनल के लिए रिंग में नहीं उतर सके। भारतीय मुक्केबाज अभिनाश जामवाल ने भी 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई लेकिन स्थानीय दावेदार यूरी रेइस को कड़ी टक्कर देने के बावजूद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारत के जादुमणि सिंह मदेंगबाम (50 किग्रा), मनीष राठौड़ (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा) और विशाल (90 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। हितेश ने अच्छे प्रदर्शन का श्रेय टूर्नामेंट से पहले ब्राजील में आयोजित 10 दिवसीय तैयारी शिविर को दिया जिससे उन्हें और टीम को बहुत मदद मिली।

हितेश ने कहा, 'शिविर ने मुझे कुछ रणनीतिक बारीकियां सीखने में मदद की जिससे मुझे प्रतियोगिता में बहुत मदद मिली। इस टूर्नामेंट ने हमें उच्चतम स्तर का अनुभव प्रदान किया और मुझे खुशी है कि मैं स्वर्ण पदक जीत सका।'

भारत ने विश्व मुक्केबाजी कप में 10 सदस्यीय दल उतारा था जो पेरिस ओलंपिक के बाद टीम का पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था। इस मजबूत प्रदर्शन से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा क्योंकि वे 2028 लॉस एंजिलिस खेलों से पहले ओलंपिक चक्र की तैयारी भी शुरू करेंगे।

# विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम शतरंज चैम्पियनशिप में अब मिलेगी अधिक इनामी राशि

लंदन । इयूसेल्डॉर्फ 2023 और अस्ताना 2024 के बाद अब फिडे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम शतरंज चैम्पियनशिप का अगला संस्करण लंदन में 10 जून से 16 जून तक आयोजित किया जाएगा। इस बार का इनामी राशि भी बढ़ाकर 5 लाख यूरो ( करीब 4.5 करोड़ ) कर दी गयी है। रैपिड के लिए 3,10,000 यूरो और ब्लिट्ज के लिए 1,90,000 यूरो की राशि रखी गई है। वहीं इस बार ब्लिट्ज़ के लिए एक नया नॉकआउट स्तर भी जोड़ा गया है नये नॉकआउट स्तर में पहले दिन राउंड रॉबिन आधार पर पूल के आधार पर मुक़ाबले होंगे प्रणाली , उसके बाद 16 टीम प्ले ऑफ़ में प्रवेश करेंगी। इस बार भी टीम में कम से कम 6 और अधिकतम 9 खिलाड़ी हो सकते है। इसके साथ ही एक महिला खिलाड़ी और एक 2000 से कम रेटिंग के खिलाड़ी को भी टीम में शामिल करना होगा। इसमें विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नार्वे के मैगनस कार्लसन की टीम डबल्यूआर और भारत के अर्जुन एरिगासी की एमजीडी1 में इस बार कड़ी टक्कर हो सकती है। इस स्पर्धा को लेकर उत्साहित होते हुए फिडे के सीईओ एमिल सुतोव्स्की ने कहा, अपने कैलेंडर के सबसे रोमांचक आयोजनों में से एक को लंदन में लाने पर हमें खुशी है। हम उम्मीद करते हैं कि इसमें विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। इसमें कई उभरते खिलाड़ियों को बड़े खिलाड़ियों से सीखने को मिलेगा।

# मोदी से मुलाकात को 1996 की विश्व विजेता श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों ने सुखद बताया

**कोलंबो (एजेंसी)।** भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने श्रीलंका दौरे में 1996 की विश्व विजेता श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की है। इन खिलाड़ियों ने इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में साझा की है। इसमें नजर आ रहा है कि प्रधानमंत्री से मिलकर श्रीलंकाई खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं। इन खिलाड़ियों ने इसे अपने जीवन का यादगार पल बताया। मोदी से मुलाकात के बाद पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर मार्वन अटापट्टू ने कहा, यह एक असाधारण मुलाकात थी। हम भाग्यशाली हैं। हमने अपने करियर में दुनिया भर की यात्रा की है और कई क्रिकेटरों से मुलाकात की है पर भारत को आगे ले जाने वाले एक राष्ट्राध्यक्ष से मिलना अलग ही बाता है। ये किसी सपने केसच होने जैसा था।

वहीं एक अन्य पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर रोमेश कालूविथाराना भी मोदी से मुलाकात के बाद उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा, जब से मोदी शासन में आए हैं, बहुत सी चीजें बेहतर हुई हैं। इससे श्रीलंका को भी बहुत लाभ हुआ है। पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर चमिंडा वास ने कहा, 1996 विश्व कप विजेता टीम के रूप में उनसे मुलाकात होना और व्यक्तिगत रूप से मिलना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात थी। हमने 1996 विश्व कप जीतने के समय ही उस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को कैसे हराया, इस बारे में भी उन्हें बताया। हमने श्रीलंकाई क्रिकेट के भविष्य पर भी चर्चा की कुल मिलाकर ये बातचीत वाकई अच्छी रही। टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सनथ जयसूर्या ने कहा, 1996 की क्रिकेट टीम के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करना एक सुखद अनुभवी था। हमने कुछ चीजों पर बात की और हमने अपने क्रिकेट के बारे में बात की। यह हमारे लिए एक शानदार बैठक थी और हमारे लिए एक बेहतरीन अनुभव भी था, क्योंकि कुछ चीजें जो हमने सुनी थीं, उनके बारे में पीएम मोदी ने सब कुछ विस्तार से बताया कि उन्होंने भारत के लिए क्या किया। मोदी चौथी बार श्रीलंका यात्रा पर गये है। राष्ट्रपति दिसानायके के पद संभालने के बाद ये उनका पहला दौरा है। पिछले साल दिसंबर में अपने पहले आधिकारिक भारत दौरे पर श्रीलंका के राष्ट्रपति ने उन्हें इस यात्रा का निमंत्रण दिया था।

# पीएसजी ने बिना किसी हार के 13वीं बार फांसीसी लीग का खिताब जीता

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए शनिवार को यहां एंजर्स को 1-0 से हराकर छह मैच शेष रहते हुए ही फ़्रांसीसी फ़ुटबॉल लीग (लीग 1) का खिताब अपने नाम पर सुरक्षित किया। पीएसजी का यह लीग 1 में 13वां खिताब है और इस तरह से उसने अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। उसकी यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने चैंपियन बनने की राह तक एक भी मैच नहीं गंवाया। ट्रॉफी अपने नाम पर सुरक्षित करने के लिए उसको एंजर्स के खिलाफ केवल ड्रॉ की जरूरत थी लेकिन युवा स्ट्राइकर डेसिरे डौए के गोल की मदद से उसने जीत के साथ जश्न मनाया। मैच समाप्त होने के बाद पीएसजी के खिलाड़ियों ने कोच लुई एनरिक को कंधों पर उठा दिया। पीएसजी की यह 28 मैच में 23वीं जीत है और उसने दूसरे स्थान पर काबिज मोनाको पर 24 अंक की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। पीएसजी के 74 और मोनाको के 50 अंक हैं। मोनाको को एक अन्य मैच में ब्रेस्ट ने 2-1 से हराया। पीएसजी ने अपने अभियान में अभी तक 80 गोल किए हैं जबकि उसने केवल 26 गोल खाए हैं।

# धोनी के संन्यास पर कोच फ्लेमिंग ने तोड़ी चुप्पी, धोनी के फैंस हो जाएंगे खुश

**लखनऊ (एजेंसी)।** मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करना अच्छा नहीं था लेकिन तब वह परिस्थितियों के अनुसार आक्रामक बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे थे और इसलिए यह रणनीतिक फैसला किया गया। जयवर्धने ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'क्रिकेट में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। और उसे बाहर करना अच्छा नहीं था लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ा। यह उस समय एक रणनीतिक निर्णय था।'

तिलक ने भारत की तरफ से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो शतक लगाए हैं। वह जब 23 गेंद पर 25 रन बना कर खेल रहे थे तब मुंबई की टीम ने उन्हें रिटायर्ड आउट करवा दिया और उनकी जगह मिशेल सेंटनर को भेजा गया जिनका स्ट्राइक रेट 106 है। मुंबई की यह रणनीति हालांकि कारगर साबित नहीं हुई और उसे 12 रन से हार का सामना करना पड़ा। जयवर्धने ने कहा, 'मुझे लगता है कि तिलक शुरू में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था। हमें उम्मीद थी कि वह तेज गति से रन बनाएगा लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाया।'

उन्होंने कहा, 'मैंने आखिरी कुछ ओवरों तक इस उम्मीद में इंतजार किया कि तिलक तेजी से रन बनाएगा क्योंकि उसने क्रीज पर कुछ समय बिताया था। लेकिन वह रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था और तब मुझे लगा कि किसी नए खिलाड़ी को उतारना सही होगा।'

दूसरी तरफ लखनऊ के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने मुंबई के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए अपने गेंदबाजों की प्रशंसा की। मुंबई ने 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय तीन विकेट पर 143 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद आवेश खान, शार्दुल ठाकुर, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई ने शानदार गेंदबाजी की।

लैंगर ने कहा, 'मुझे लगता है कि शार्दुल ठाकुर का वह ओवर (जिसमें उन्होंने सिर्फ सात रन दिए) शानदार था। इसने वास्तव में हमें मैच में बनाए रखा। इसके बाद निश्चित तौर पर आवेश खान ने मुश्किल परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन किया।' उन्होंने कहा, 'दिग्वेश राठी ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। रवि बिश्नोई ने लय हासिल करना शुरू कर दिया है जो हमारे लिए वास्तव में बेहद महत्वपूर्ण है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# 27 वर्ष की उम्र में ही शांति की खोज में लग गये थे गौतम बुद्ध

बुध पूर्णिमा न केवल बौध धर्म के अनुयायियों के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिये एक महत्वपूर्ण दिन है। इस साल यह 30 अप्रैल को मनाया गया। बुध पूर्णिमा को बुद्ध जयंती और उनके निर्वाण दिवस के रूप में जाना जाता है। यानी यही वह दिन था जब बुद्ध ने जन्म लिया, शरीर का त्याग किया था और मोक्ष प्राप्त किया। भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु का 9वां अवतार माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिये भी उनका महत्व है।

बुद्ध संन्यासी बनने से पहले कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ थे। शांति की खोज में वे 27 वर्ष की उम्र में घर-परिवार, राजपाट आदि छोड़कर चले गए थे। भ्रमण करते हुए सिद्धार्थ काशी के समीप सारनाथ पहुंचे, जहाँ उन्होंने धर्म परिवर्तन किया। यहाँ उन्होंने बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे कठोर तप किया। कठोर तपस्या के बाद सिद्धार्थ को बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई और वह महान संन्यासी गौतम बुद्ध के नाम से प्रचलित हुए और अपने ज्ञान से समूचे विश्व को ज्योतिर्मय किया। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। वे महलों में बंद न रह सके। उन्होंने स्वयं प्रथम ज्ञान-प्राप्ति का व्रत लिया था और वर्षों तक वनों में घूम-घूम कर तपस्या करके आत्मा को ज्ञान से आलोकित किया। स्वयं ने सत्य की ज्योति प्राप्त की और फिर जनता में बुराइयों के खिलाफ आवाज बुलन्द किया। गौतम बुद्ध ने बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया और अत्यन्त कुशलता से बौद्ध भिक्षुओं को संगठित किया और लोकतांत्रिक रूप में उनमें एकता की भावना का विकास किया। इसका अहिंसा एवं करुणा का सिद्धांत इतना लुभावना था कि सम्राट अशोक ने दो वर्ष बाद इससे प्रभावित होकर बौद्ध मत को स्वीकार किया और युद्धों पर रोक लगा दी। इस प्रकार बौद्ध मत देश की सीमाएं लांघ कर विश्व के कोने-कोने तक अपनी ज्योति फैलाने लगा। आज भी इस धर्म की मानवतावादी, बुद्धिवादी और जनवादी परिकल्पनाओं को नकारा नहीं जा सकता और इनके माध्यम से भेद भावों से भरी व्यवस्था पर जोरदार प्रहार किया जा सकता है। यही धर्म आज भी दुःखी एवं अशान्त मानवता को शान्ति प्रदान कर सकता है। ऊँच-नीच, भेदभाव, जातिवाद पर प्रहार करते हुए यह लोगों के मन में धार्मिक एकता का विकास कर रहा है। विश्व शान्ति एवं परस्पर भाईचारे का वातावरण निर्मित करके कला, साहित्य और संस्कृति के विकास के मार्ग को प्रशस्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वास्तव में देखा जाए तो राज-शासन और धर्म-शासन दोनों का ही मुख्य उद्देश्य जनता को सन्मार्ग पर ले जाना है। परन्तु राज-शासन के अधिनायक स्वयं मोहमाया ग्रस्त प्राणी होते हैं, अतः वे समाज सुधार के कार्य में पूर्णतया सफल नहीं हो पाते। भला, जो जिस चीज को अपने हृदयतल में से नहीं मिटा सकता, वह दूसरे हजारों हृदयों से उसे कैसे मिटा सकता है? राज-शासन की आधारशिला प्रेम, स्नेह एवं सद्भाव की भूमि पर नहीं रखी जाती है, वह रखी जाती है, प्रायः भय, आतंक और दमन की नींव पर। यही कारण है कि राज-शासन प्रजा में न्याय, नीति और शांति की रक्षा करता हुआ भी अधिक स्थायी व्यवस्था कायम नहीं कर सकता। जबकि धर्म-शासन परस्पर के प्रेम और सद्भाव पर कायम होता है, फलतः वह सत्य-पथ प्रदर्शन के द्वारा मूलतः समाज का हृदय परिवर्तन करता है और सब ओर से पापाचार को हटाकर स्थायी न्याय, नीति तथा शांति की स्थापना करता है। बुद्ध अन्ततोगत्वा इसी निर्णय पर पहुंचे कि भारत का यह दुःसाध्य रोग साधारण राजनीतिक हलचलों से दूर होने वाला नहीं है। इसके लिए तो सारा जीवन ही उत्सर्ग करना पड़ेगा, क्षुद्र परिवार का मोह छोड़ कर 'विश्व-परिवार' का आदर्श अपनाना होगा। राजकीय वेशभूषा से सुसज्जित होकर साधारण जनता में घुला-मिला नहीं जा सकता। वहां तक पहुंचने के लिए तो ऐच्छिक लघुत्व स्वीकार करना होगा, अर्थात् भिक्षुत्व स्वीकार करना होगा। संन्यासी बनकर गौतम बुद्ध ने अपने आप को आत्मा और परमात्मा के निरर्थक विवादों में फंसाने की अपेक्षा समाज कल्याण की ओर अधिक ध्यान दिया। उनके उपदेश अधिकतर सामाजिक एवं सांसारिक समस्याओं तक ही सीमित रहे। यही कारण है कि उनकी बात लोगों की समझ में सहज रूप से ही आने लगी। महात्मा बुद्ध ने मध्यममार्ग अपनाते हुए अहिंसा युक्त दस शीलों का प्रचार किया तो लोगों ने उनकी बातों से स्वयं को सहज ही जुड़ा हुआ पाया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपनी तृष्णाओं पर विजय प्राप्त कर ले तो वह निर्वाण प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार उन्होंने पुरोहितवाद पर करारा प्रहार किया और व्यक्ति के महत्त्व को प्रतिष्ठित किया। मानवता को बुद्ध की सबसे बड़ी देन है भेदभाव को समाप्त करना। यह एक विडम्बना ही है कि बुद्ध की इस धरती पर आज तक छूआछूत, भेदभाव किसी न किसी रूप में विद्यमान हैं। उस समय तो समाज छूआछूत के कारण अलग-अलग वर्गों में विभाजित था। बौद्ध धर्म ने सबको समान मान कर आपसी एकता की बात की तो बड़ी संख्या में लोग बौद्ध मत के अनुयायी बनने लगे। कुछ दशक पूर्व डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने भारी संख्या में अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध मत को अंगीकार किया ताकि हिन्दू समाज में उन्हें बराबरी का स्थान प्राप्त हो सके। बौद्ध मत के समानता के सिद्धांत को व्यावहारिक रूप देना आज भी बहुत आवश्यक है। मूलतः बौद्ध मत हिन्दू धर्म के अनुरूप ही रहा और हिन्दू धर्म के भीतर ही रह कर महात्मा बुद्ध ने एक क्रान्तिकारी और सुधारवादी आन्दोलन चलाया। महात्मा बुद्ध सामाजिक क्रांति के शिखर पुरुष थे। उनका दर्शन अहिंसा और करुणा का ही दर्शन नहीं है बल्कि क्रांति का दर्शन है। उन्होंने केवल धर्म तीर्थ का ही प्रवर्तन नहीं किया बल्कि एक उन्नत और स्वस्थ समाज के लिए नये मूल्य-मानक गढ़े। उन्होंने प्रगतिशील विचारों को सही दिशा ही नहीं दी बल्कि उनमें आये ठहराव को तोड़कर नयी क्रांति का सूत्रपात किया। बुद्ध ने कहा- पुण्य करने में जल्दी करो, कहीं पाप पुण्य का विश्वास ही न खो दे। समाजिक क्रांति के संदर्भ में उनका जो अवदान है, उसे उजागर करना वर्तमान युग की बड़ी अपेक्षा है। ऐसा करके ही हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे। बुद्ध ने समतामूलक समाज का उपदेश दिया। जहां राग, द्वेष होता है, वहां विषमता पनपती है। इस दृष्टि से सभी समस्याओं का उत्स है- राग और द्वेष। व्यक्ति अपने स्वार्थों का पोषण करने, अहं को प्रदर्शित करने, दूसरों को नीचा दिखाने, सत्ता और सम्पत्ति हथियाने के लिए विषमता के गलियारे में भटकता रहता है।

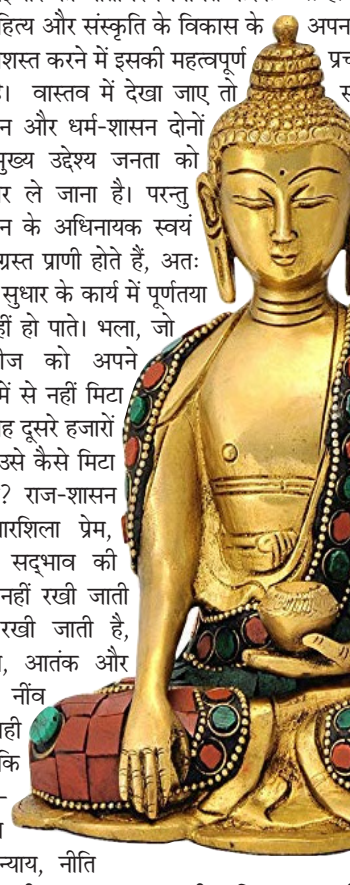

गौतम बुद्ध ने लगभग 40 वर्ष तक घूम घूम कर अपने सिद्धांतों का प्रचार प्रसार किया। वे उन शीर्ष महात्माओं में से थे जिन्होंने अपने ही जीवन में अपने सिद्धांतों का प्रसार तेजी से होता और अपने द्वारा लगाए गए पौधे को वटवृक्ष बन कर पल्लवित होते हुए स्वयं देखा। गौतम बुद्ध ने बहुत ही सहज वाणी और सरल भाषा में अपने विचार लोगों के सामने रखे। अपने धर्म प्रचार में उन्होंने समाज के सभी वर्गों, अमीर गरीब, ऊँच नीच तथा स्त्री-पुरुष को समानता के आधार पर सम्मिलित किया। बुद्ध ने जन-जन के बीच आने से पहले, अपने जीवन के अनुभवों को बांटने से पहले, कठोर तप करने से पहले, स्वयं को अकेला बनाया, खाली बनाया। तप तपा। जीवन का सच जाना। फिर उन्होंने कहा अपने भीतर कुछ भी ऐसा न आने दो जिससे भीतर का संसार प्रदूषित हो। न बुरा देखो, न बुरा सुनो, न बुरा कहो। यही खालीपन का संदेश सुख, शांति, समाधि का मार्ग है। उन्होंने अप्प दीपो भव- अपने दीपक स्वयं बनने की बात कही। क्योंकि दिन-रात संकल्पों-विकल्पों, सुख-दुख, हर्ष-विषाद से घिरे रहना, कल की चिंता में झुलसना, तनाव का भार ढोना, ऐसी स्थिति में भला मन कब कैसे खाली हो सकता है? कैसे संतुलित हो सकता है? कैसे समाधिस्थ हो सकता है? इन स्थितियों को पाने के लिए वर्तमान में जीने का अभ्यास जरूरी है। न अतीत की स्मृति और न भविष्य की चिंता। जो आज को जीना सीख लेता है, समझना चाहिए उसने मनुष्य जीवन की सार्थकता को पा लिया है और ऐसे मनुष्यों से बना समाज ही संतुलित हो सकता है, स्वस्थ हो सकता है, समतामूलक हो सकता है। जरूरत है उन्नत एवं संतुलित समाज निर्माण के लिए महात्मा बुद्ध के उपदेशों को जीवन में ढालने की। बुद्ध-सी गुणात्मकता को जन-जन में स्थापित करने की। ऐसा करके ही समाज को स्वस्थ बना सकेंगे।

# पैरों को हेल्दी रखने के लिए अप्लाई करें फेसपैक्स

मानसून के मौसम में भीगना तो हर किसी को अच्छा लगता है, लेकिन मौसम में बदलाव अपने साथ कई तरह की परेशानियां लेकर आता है। खासतौर से, इस मौसम में स्किन की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए जरूरी है कि आप उसका अतिरिक्त ध्यान रखें। बारिश में भीगने से पैरों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे पैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिसे मानसून के मौसम में आप पैरों पर बेहद आसानी से अप्लाई कर सकते हैं-

**मुल्तानी मिट्टी :** मुल्तानी मिट्टी न सिर्फ स्किन को बेहतर बनाती है, बल्कि यह डेड स्किन सेल्स को भी आसानी से निकालती है। इसकी मदद से पैक बनाने के लिए मुल्तानी मिट्टी में नीम पाउडर और लैवेंडर का तेल मिक्स करके एक पेस्ट तैयार करें। अब आप इस पेस्ट को पैरों पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। अब आप पानी की मदद से पैरों को साफ करें और अंत में जैतून के तेल से पैरों की मसाज करें।

नींबू का रस : नींबू पैरों पर मौजूद सभी कीटाणुओं को खत्म करने में कारगर है, इसलिए बारिश के मौसम में इसका इस्तेमाल काफी अच्छा माना जाता है। अगर बारिश के कारण आपके पैरों में खुजली हो रही हैं तो आप नींबू के रस में सिरका और ग्लिसरीन मिलाएं और अपने पैरों पर लगाएं। इससे आपको काफी राहत महसूस होगी।

**हल्दी का पेस्ट :** हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो आपके पैरों के लिए काफी अच्छा है। इसके इस्तेमाल के लिए आप हल्दी में सादा पानी या फिर गुलाबजल मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अब इस पैक को पैरों पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। जब यह पैक सूख जाए तो आप हल्के गुनगुने पानी से पैरों को धोएं और उसे सुखाने के बाद मॉइश्चराइजर अप्लाई करें।

**पुदीने का स्क्रब :** बारिश के मौसम में पैरों को स्क्रब करना काफी अच्छा रहता है और इसके लिए आप मिंट बेस्ड क्रीम व स्क्रब का इस्तेमाल करें। दरअसल, पुदीने में एंटीसेप्टिक तत्व होते हैं और यह पैरों से आने वाली बदबू को भी दूर करता है। इसके लिए आप पानी में पुदीने की कुछ पत्तियां डालकर उबालें। जब पानी ठंडा हो जाए तो इसकी मदद से अपने पैरों को साफ करें। आपके पैरों से आने वाली किसी भी तरह की बदबू बेहद आसानी से दूर हो जाएगी। वैसे आप चाहें तो पेपरमिंट ऑयल का इस्तेमाल करके फुट स्क्रब भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

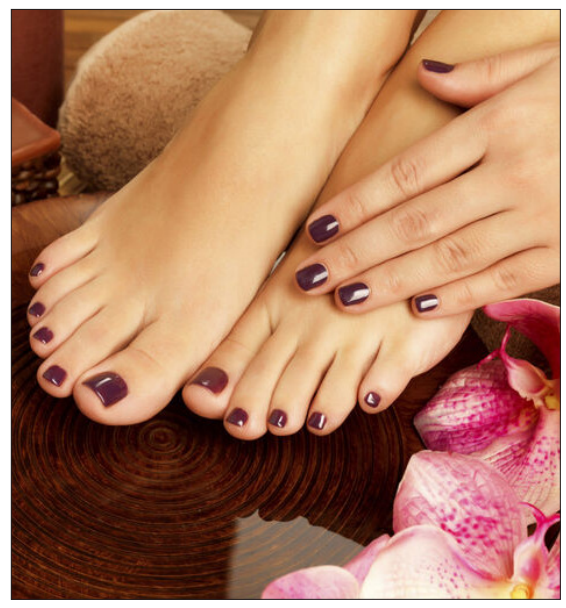

# मीठा छोड़ने से सिर्फ वजन ही नहीं होता कम

आज के समय में हर कोई अपनी फिगर को लेकर काफी कॉन्शियस रहता है। यही कारण है कि थोड़ा भी वजन बढ़ने पर लोग डाइटिंग करना शुरू कर देते हैं और इसमें सबसे पहले नंबर आता है मीठा छोड़ने का। अमूमन यह माना जाता है कि मीठा छोड़ने से वजन तेजी से घटता है। यह सच है लेकिन पूरी तरह नहीं। दरअसल, मीठा छोड़ने से आपके वजन पर तो असर पड़ता है ही, साथ ही इससे शरीर में अन्य भी कई बदलाव होते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

**हेल्दी हार्ट :** जब आप चीनी का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ता है, जो आपके तंत्रिका तंत्र को भी उत्तेजित करता है। ऐसे में आपका हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है। वहीं जब आप चीनी छोड़ते हैं तो एक सप्ताह में ही आपको अपना ब्लड प्रेशर स्थिर होता हुआ नजर आएगा। इतना ही नहीं, इससे आपका बैड कोलेस्ट्रॉल भी धीरे-धीरे कम होने लगेगा।

**स्किन में बदलाव :** चीनी से केवल वजन ही नहीं बढ़ता, बल्कि इसके कारण अन्य कई लाइफस्टाइल डिसऑर्डर भी होते हैं, जिसके कारण अक्सर लोगों को चेहरे पर मुंहासों की समस्या का सामना करना पड़ता है। एक अध्ययन से भी यह बात सामने आई है कि जो महिलाएं सोडा व अन्य चीनी युक्त पेय पदार्थ को छोड़ देती हैं, उनकी स्किन काफी अच्छी होती है और उन्हें महंगी क्रीम व कंसीलर का प्रयोग करने की जरूरत नहीं पड़ती।

**मूड पर सकारात्मक प्रभाव:** आपको शायद यह जानकर हैरानी हो लेकिन चीनी और आपके मूड का भी आपस में संबंध है। एक अध्ययन में यह पाया गया कि जो महिलाएं अपने आहार में आवश्यकता से अधिक मीठे का सेवन करती हैं, उन्हें बहुत अधिक मूड स्विंग्स होते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट से मीठे की मात्रा को कम करती हैं तो इससे धीरे-धीरे आपके मूड पर सकारात्मक प्रभाव नजर आने लगता है।

**वजन कम होना :** यह तो हम सभी जानते हैं कि मीठा छोड़ने से वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है। दरअसल, जब आप चीनी छोड़ देते हैं तो ग्लूकोज की अनुपस्थित कि कारण, शरीर वसा से ऊर्जा के लिए कीटोन बनाना शुरू कर देता है। इसे फैट बर्निंग मोड कहा जाता है। शुरूआती एक सप्ताह में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इसके बाद आपका वजन कम होना शुरू हो जाता है।

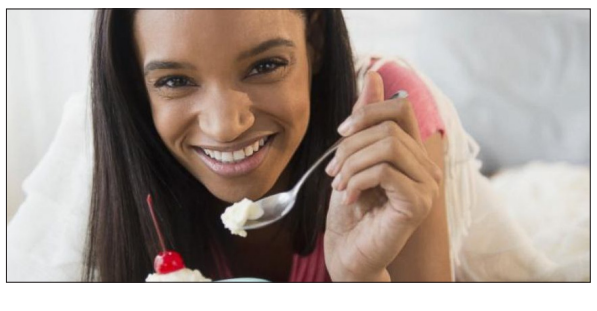

# रानीखेत में है प्रकृति का अनुपम सौंदर्य

रानीखेत को पहाड़ों की रानी भी कहा जाता है। प्रकृति का अनुपम सौंदर्य रानीखेत के कण-कण में बिखरा पड़ा है। यहां पर दूर-दूर तक फैली घाटियां, घने जंगल तथा फूलों से ढंके रास्ते व ठंडी मस्त हवा पर्यटकों का मन बरबस ही मोह लेती है। रानीखेत की खास बात यह है कि यहां पर लोगों का कोलाहल व भीड़भाड़ बहुत कम है। यकीन जानिए यहां पहुंचने के बाद पर्यटक स्वयं को प्रकृति के निकट पाता है। अंग्रेजों के शासन के दौरान अंग्रेजी फौज की छावनी रहे इस क्षेत्र में कुंमाऊं रेजीमेंट का मुख्यालय भी है। छावनी क्षेत्र होने के कारण एक तो यहां वैसे ही साफ-सफाई रहती है दूसरे यहां पर प्रदूषण की मात्रा भी अन्य जगहों की अपेक्षा बहुत कम है। चलिए सबसे पहले आपको लिए चलते हैं चौबटिया। चौबटिया में बहुत ही सुंदर बाग-बगीचे हैं। यहां पर स्थित सरकारी उद्यान व फल अनुसंधान केंद्र भी देखने योग्य हैं। यहां पर पास में ही एक जल प्रपात है, जिसके ऊंचाई से गिरते संगमरमर जैसे पानी का दृश्य आपका मन मोह लेगा। द्वाराहाट रानीखेत से लगभग 32 किमी की दूरी पर स्थित है। द्वाराहाट पुरातात्विक दृष्टि से भी अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कभी कत्यूरी वंश के शासकों की राजधानी रहे इस स्थल पर पूरे 65 मंदिर हैं जोकि तत्कालीन कला के बेजोड़ नमूने के रूप में विख्यात हैं। बदरीकेदार मंदिर, गूजरदेव का कलात्मक मंदिर, पाषाण मंदिर और बावड़ियां पर्यटकों को अपने अतीत की गाथा सुनाते हुए लगते हैं। यहां स्थित मंदिरों में से विमांडेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर एवं कुबेर की विशालकाय मूर्ति देखना न भूलें। रानीखेत से 6 किमी की दूरी पर स्थित है उपत एवं कालिका। यहां पर गोल्फ का विशाल मैदान है। हरी-हरी घास से भरे इस मैदान में गोल्फ खेलने का आनंद ही कुछ और है। कालिका में कालीदेवी का प्रसिद्ध मंदिर भी है। अब आप दूनागिरी जा सकते हैं। द्वाराहाट से लगभग 14 किमी की दूरी पर स्थित दूनागिरी से आप हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों के मनोहारी दर्शन कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यहां पर 1181 के शिलालेख भी पाए गए हैं। दूनागिरी में चोटी पर दुर्गा जी सहित अन्य कई मंदिर भी हैं जहां पर आसपास के लोग बड़ी संख्या में आते हैं। इस स्थान को पर्यटन के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ भी कहा जा सकता है। शीतलाखेत को आप पर्यटक गांव भी कह सकते हैं। यहां तक आने के लिए आप रानीखेत व अल्मोड़ा से सीधी बस सेवा का भी लाभ उठा सकते हैं। ऊंचाई पर शांत व खूबसूरत नजारों से भरे दृश्य पर्यटकों को भा जाते हैं। ट्रैकिंग की दृष्टि से भी यह अच्छा स्थल है। आप चिलियानौला भी घूमने जा सकते हैं। यहां पर हेड़ाखान बाबा का भव्य मंदिर है। कहते हैं कि इस आधुनिक मंदिर में देवी-देवताओं की कलात्मक मूर्तियां देखने लायक हैं। द्योलीखेत का मैदान तीन ओर से पर्वतों से घिरा हुआ है। इसके एक ओर देवदार तथा चीड़ के वृक्ष इस स्थल की सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं। खड़ी बाजार रानीखेत का मुख्य बाजार है। एक ओर से उठे होने के कारण ही शायद इसका नाम खड़ी बाजार पड़ा। इस बाजार के दोनों ओर दुकानें हैं जहां से आप रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने वाले सामानों के साथ ही स्थानीय काष्ठकला की वस्तुएं भी खरीद सकते हैं। ट्रैकिंग में दिलचस्पी रखने वाले पर्यटकों के लिए रानीखेत के आसपास कई ऐसे स्थान हैं जहां पर ट्रैकिंग करके आप अपनी यात्रा को रोमांचक बनाने के साथ ही यादगार भी बना सकते हैं। आसपास के दर्शनीय स्थानों की सैर पर जाने के लिए आपको यहां से निर्धारित दरों पर टैक्सी मिल सकती हैं। यदि आप भारवाहकों की सेवा लेना चाहें तो दाम पहले ही तय कर लें। अप्रैल व जून तथा सितंबर से नवंबर के बीच आप जब भी चाहें, रानीखेत घूमने जा सकते हैं क्योंकि यह माह यहां की सैर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समय है। हां, रानीखेत आप जब भी जाएं, ऊनी कपड़े साथ रखना न भूलें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

**मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.**

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

# सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

**महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।**

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अतः प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एकजाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

# श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतिबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

# इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

**रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।**

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

# चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

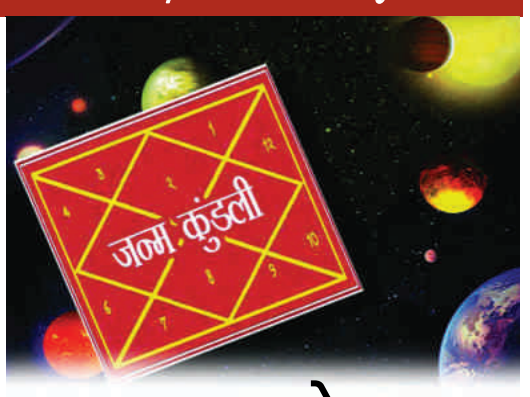


**चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।**

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

# हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### नेपाल के पूर्व डिप्टी पीएम रबि लामिछाने गिरफ्तार, पुलिस ने आधी रात घर में घुसकर पकड़ा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व उप-प्रधानमंत्री रबि लामिछाने को आधी रात काठमांडू स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। वे करोड़ों रुपए की सहकारी ठगी मामले में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें इस मामले में जमानत मिली हुई थी लेकिन तुलसीपुर हाईकोर्ट ने शुक्रवार को इसे रद्द कर दिया। न्यायालय के फैसले के बाद लामिछाने कहा कि उनके साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट की कॉपी मिले बिना ही पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने उनके बेडरूम तक में घुस गई। रबि लामिछाने पुष्प कमल दल की सरकार में 2024 में देश के उप-प्रधानमंत्री थे। राजनीति में आने से पहले वह देश के चर्चित पत्रकार थे। उन्होंने 2022 में राजनीति में एंट्री की थी। उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के गठन की घोषणा की और उसी साल चुनाव लड़ा था।

### ट्रम्प ने अमेरिका में टिकटॉक को बैन होने से फिर बचाया, 75 दिन की और मोहलत दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टिकटॉक को अमेरिका में बैन से बचाने के लिए 75 दिन का और वक्त दिया है। यह सीमा 5 अप्रैल को खत्म हो रही थी। यह दूसरी बार है जब ट्रम्प ने टिकटॉक को अमेरिका में बैन से बचाने के लिए समय सीमा बढ़ाई है। दरअसल, बाइडेन सरकार ने टिकटॉक को अमेरिका में बैन किए जाने का कानून बनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर मुहर लगाते हुए कहा कि टिकटॉक बैन तभी रुक सकता है, जब इसकी पेरेंट चीनी कंपनी 'बाइटडांस' इसे किसी अमेरिकी कंपनी को बेच दे। ट्रम्प प्रशासन टिकटॉक को अमेरिकी कंपनी के हाथों में लाने की डील पर काम कर रहा है, ताकि यह ऐप अमेरिका में चलता रहे। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, ब्लैकस्टोन, और कई कंपनियों ने टिकटॉक के अमेरिकी हिस्से को खरीदने में रुचि दिखाई है, हालांकि अभी कोई पक्की डील नहीं हुई। टिकटॉक पर प्रतिबंध की वजह चीनी कंपनी बाइटडांस से जुड़ी सुरक्षा चिंताएं हैं, जिसके चलते अमेरिका इसे नियंत्रित करना चाहता है।

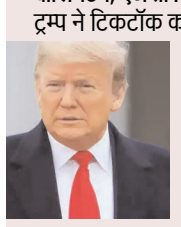

### कनाडा के रॉकलैंड में भारतीय की चाकू मारकर हत्या, एक संदिग्ध गिरफ्तार

ओटावा , एजेंसी। भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को बताया कि कनाडा के ओटावा शहर के रॉकलैंड में एक भारतीय नागरिक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। उच्चायोग ने बताया कि इस मामले में स्थानीय पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच चल रही है। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर लिखा कि हम रॉकलैंड, ओटावा के पास चाकू मारने की घटना में एक भारतीय नागरिक की मृत्यु से दुखी हैं। पुलिस ने बताया है कि एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। हम स्थानीय समुदाय संघ के माध्यम से शोक संतप्त परिजनों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए संपर्क में हैं। कनाडा की मीडिया के अनुसार क्लेरेन्स-रॉकलैंड में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दूसरे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने मौत के कारण का खुलासा नहीं किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीटीवी न्यूज के अनुसार ओंटारियो प्रांतीय पुलिस (ओपीपी) ने कहा कि शुक्रवार को दोपहर 3 बजे रॉकलैंड में लालोंडे स्ट्रीट के पास गोलीबारी की घटना हुई। यह घटना ओटावा शहर के पूर्व में लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस ने अभी तक यह नहीं बताया है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति पर क्या आरोप लगाए गए हैं? ओपीपी ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। सीटीवी न्यूज ने ओपीपी के हवाले से कहा, चूंकि हम जांच के शुरुआती चरण में हैं, इसलिए कोई और जानकारी नहीं दी जा सकती है।

### पापुआ न्यू गिनी में 6.9 तीव्रता का भूकंप, 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्र था

पोर्ट मोरेस्बी, एजेंसी। पापुआ न्यू गिनी में शनिवार सुबह तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे (स्त्रस) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 6.9 मापी गई और इसका केंद्र न्यू ब्रिटेन द्वीप के किंबे कस्बे से 194 किलोमीटर पूर्व समुद्र में था। यह भूकंप केवल 10 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिससे इसे उथला और अधिक प्रभावी माना गया। भूकंप के तुरंत बाद पापुआ न्यू गिनी के कुछ तटीय हिस्सों में 1 से 3 मीटर ऊंची लहरें उठने की आशंका जताते हुए सुनामी की चेतावनी जारी की गई। पास के सोलोमन द्वीपों के लिए भी 0.3 मीटर तक की छोटी लहरों की चेतावनी दी गई थी। हालांकि, स्थिति का आकलन करने के बाद कुछ ही घंटों में इन सभी चेतावनियों को रद्द कर दिया गया। अब तक किसी भी प्रकार के जानमाल के नुकसान की कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। न्यू ब्रिटेन द्वीप पर करीब 5 लाख लोग रहते हैं।

# सिर्फ 25 सेकेंड में अमेरिका ने हूतियों को कर दिया तबाह ! अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शेयर किया वीडियो

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में एक चौंकाने वाला वीडियो साझा किया है, जिसमें कथित तौर पर यमन में हौथी विद्रोहियों पर अमेरिकी हवाई हमले दिखाए गए हैं। यह वीडियो न केवल राजनीतिक दृष्टि से बल्कि वैश्विक रणनीति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हो गया है। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे एक लक्ष्य पर हमला किया जाता है और पूरा क्षेत्र एक पल में धूल और धुएं के बादल में बदल जाता है। वायरल वीडियो में दर्जनों लोग गोलाकार आकृति में खड़े नजर आ रहे हैं, तभी अचानक जोरदार धमाका होता है। एक चमकदार चमक उत्पन्न होती है और फिर धूल और धुएं का एक गुबार पूरे क्षेत्र को ढक लेता है। हालांकि, बाद में जब कैमरे को जूम आउट किया जाता है तो घटनास्थल पर कई वाहन खड़े दिखाई देते हैं, जिससे ऐसा लगता है कि हमला योजनाबद्ध था।

**ट्रम्प का संदेश- अब हौथी हमला नहीं करेंगे! :** ट्रम्प ने इस वीडियो के साथ जो संदेश लिखा है, उससे हूतियों के प्रति अमेरिकी नीति और कठोर रवैये का स्पष्ट पता चलता है। उन्होंने लिखा कि ये लोग हमला करने की योजना बना रहे थे। ओह! ये हूथी अब हमला नहीं करेंगे। वे हमारे जहाज़ों को फिर कभी नहीं डुबो सकेंगे।

**हाल के सप्ताहों में यमन में क्या हो रहा है :** यमन के हौथी विद्रोही लाल सागर में अमेरिकी और वाणिज्यिक जहाजों पर हमला कर रहे हैं। ये हमले खास तौर पर इजराइल और हमास के बीच 2023 से जारी युद्ध के समर्थन में किए जा रहे हैं। इन घटनाओं के जवाब में अमेरिका ने हूथी ठिकानों पर कई हवाई हमले किए हैं। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार हाल के हमलों में छह लोग मारे गए हैं, जबकि हूथियों ने इस संख्या की पुष्टि 67 के रूप में की है।

**ईरान पर अमेरिकी दबाव की रणनीति :** ऐसा माना जाता है कि हौथी विद्रोहियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। विश्लेषकों का मानना ??है कि अमेरिकी हमले ईरान की बढ़ती प्रभावशाली उपस्थिति और परमाणु कार्यक्रम की प्रतिक्रिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि इन हमलों के परिणामस्वरूप ईरान अविश्वसनीय रूप से कमजोर हो गया है।

**अमेरिकी विदेश नीति के संकेत :** डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस वीडियो को साझा करना न केवल सैन्य कार्रवाई का सार्वजनिक प्रदर्शन है, बल्कि उनकी विदेश नीति के बारे में भी यह पूरी तरह स्पष्ट है कि वे किसी भी तरह से चुप नहीं बैठेंगे। हूथियों और ईरान के प्रति उनका आक्रामक रुख दर्शाता है कि अमेरिका अब अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा को लेकर बहुत गंभीर है। आने वाले दिनों में यह संघर्ष या तो बढ़ेगा या फिर सुलझ जाएगा।

### टैरिफ के बाद अमीरों को टैक्स छूट देने की तैयारी में ट्रंप, सीनेट में बजट पर देर रात तक चली चर्चा

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** टैरिफ बम फोड़ने के बाद अब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में अमीरों को टैक्स में छूट देने की अपनी महत्वकांक्षी योजना पर आगे बढ़ गए हैं। यह ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी की महत्वकांक्षी योजना है और चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप ने इसका एलान किया था। अगले कुछ महीनों में अमेरिका में बजट आने वाला है और शुक्रवार देर रात सीनेट मेंत बजट योजना पर चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि ट्रंप की योजना अमेरिका के अमीरों को टैक्स में खरबों डॉलर की राहत देने, सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और रक्षा खर्च में भी बढ़ोतरी करने की है। साथ ही संघीय सरकार के खर्चों में कटौती की रही है। सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर एलन मस्क ने संघीय सरकार के खर्चों में खरबों डॉलर की कटौती का लक्ष्य तो हासिल कर लिया है। अब ट्रंप प्रशासन अपने अगली योजनाओं पर आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि बजट को लेकर इतनी माथापच्ची हो रही है। रिपब्लिकन पार्टी को डेमोक्रेट पार्टी का भी विरोध झेलना पड़ रहा है। डेमोक्रेट पार्टी का कहना है कि संघीय योजनाओं में कटौती कर अमीरों को टैक्स में राहत नहीं दी जानी चाहिए। डेमोक्रेट पार्टी का कहना है कि अधिकतर अमेरिकी नागरिक इन सरकारी कल्याणकारी योजनाओं पर निर्भर हैं। गौरतलब है कि यह उठा-पटक ऐसे समय हो रही है, जब डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है।

### चीन ने म्यांमार में अस्थायी पुनर्वास स्थलों का निर्माण किया

**बीजिंग, एजेंसी।** म्यांमार में आए जबरदस्त भूकंप से अब तक 3,145 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि, 4,589 लोग घायल हुए हैं और अन्य 221 लोग लापता हुए हैं। म्यांमार के अग्निशमन विभाग और देसी-विदेशी राहत दलों ने 653 जीवित बचे लोगों को बचाया है। बताया जाता है कि भूकंप से मांडले और नेपीडॉ आदि क्षेत्रों में भारी क्षति पहुंची है। जबरदस्त भूकंप आने के बाद भी लगातार झटके महसूस किए गए। भूकंप ग्रस्त क्षेत्रों में पानी और बिजली की आपूर्ति बाधित है और संचार व्यवस्था भी नष्ट हुई। इसके साथ लगभग 40 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी और मच्छरों के प्रकोप से भूकंप पीड़ित लोगों के जीवन में तमाम कठिनाइयां पैदा हुईं।

चीन के विभिन्न जगतों ने समय पर सहायता की। चीन की मदद से पुनर्वास, राहत, जल आपूर्ति और महामारी की रोकथाम आदि कार्य तेजी से चल रहे हैं। चीनी ग्रामीण विकास कोष ने 2 अप्रैल को चीन की आपदा राहत सामग्री का इस्तेमाल कर मांडले क्षेत्र में पहला अंतर्राष्ट्रीय अस्थायी पुनर्वास स्थल बनाया। उसी दिन शाम को म्यांमार स्थित चीनी अंतर्राष्ट्रीय ट्रस्ट और निवेश निगम समूह की शाखा कंपनी ने चीनी ग्रामीण विकास कोष के साथ नेपीडॉ में दूसरा अस्थायी पुनर्वास स्थल बनाया। उक्त दोनों पुनर्वास स्थलों में 900 आपदा पीड़ितों को रहने की सुविधा मिल सकती है। बाद में चीनी प्रथम ऑटोमोबाइल समूह कंपनी भी चीनी ग्रामीण विकास कोष के साथ मांडले और नेपीडॉ में कई पुनर्वास स्थलों का निर्माण करेगी।

### भूकंप प्रभावित म्यांमा में बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए सैन्य दल भेजेगा श्रीलंका

**कोलंबो, एजेंसी।** श्रीलंका भूकंप प्रभावित म्यांमा को 10 लाख अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद मुहैया कराने के अलावा बचाव, राहत और चिकित्सा सहायता मुहैया कराने के लिए वहां तीन सैन्य दल भेजेगा। श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि म्यांमा में भूकंप पीड़ितों के लिए राहत सहायता लेकर श्रीलंका का विशेष विमान शनिवार को रवाना होगा। उसने बताया कि श्रीलंका से 10 लाख अमेरिकी डॉलर की मदद के अलावा बचाव, राहत और चिकित्सा सहायता मुहैया कराने के लिए तीन सैन्य दल भेजे जाएंगे। इसके अतिरिक्त, बौद्ध संप्रदाय के तीन नेताओं ने दोनों देशों के बीच घनिष्ठ धार्मिक संबंधों को देखते हुए राहत सहायता का प्रबंध किया है। बौद्ध बहुसंख्यकों के प्रमुख तीर्थस्थल 'द टेंपल ऑफ द टूथ' ने कहा कि वह म्यांमा के लिए अलग से एक करोड़ 50 लाख रुपये एकत्र कर रहा है।

थेरवाद बौद्ध धर्म से जुड़े होने के कारण म्यांमा और श्रीलंका के बीच ऐतिहासिक संबंध हैं। थेरवाद बौद्ध धर्म की सबसे पुरानी शाखा है। म्यांमा में 28 मार्च को आए भूकंप में 3,100 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, करीब 5,000 लोग घायल हुए थे और 370 से अधिक लोग लापता हो गए।

# यूक्रेन में रूसी हमलों में 16 की मौत, जेलेंस्की ने पुतिन को ठहराया दोषी

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने शनिवार को पुष्टि की कि हाल ही में रूसी हमलों में मरने वालों की संख्या 16 तक पहुंच गई. इनमें छह बच्चे शामिल हैं जबकि खार्किव में लक्षित ड्रोन हमले के बाद पांच अन्य मारे गए. उन्होंने आगे बताया कि इस हमले में 34 लोग ड्रोन अटैक से भी घायल हुए हैं. एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए जेलेंस्की ने लिखा, रूसी मिसाइल हमले के बाद क्रिवी रिह में बचाव अभियान चलाया गया. अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें छह बच्चे शामिल हैं.

खार्किव में लक्षित रूसी ड्रोन हमले के बाद बचाव कार्य पूरे दिन जारी रहा. ड्रोन द्वारा जानबूझकर किया गया हमला. इस हमले में दुखद रूप से पांच लोग मारे गए. 34 घायल हो गए. उन्होंने पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं व्यक्त की. खेरसॉन में एक रूसी एफपीवी ड्रोन द्वारा किए गए एक अन्य लक्षित हमले में एक ऊर्जा सुविधा खेरसॉन थर्मल पावर प्लांट को निशाना बनाया गया. उन्होंने आगे कहा, ये हमले आकस्मिक नहीं हो सकते. रूसियों को अच्छी तरह पता है कि वे किस पर हमला कर रहे हैं. वे जानते हैं कि

ये ऊर्जा सुविधाएं हैं, जिन्हें हमलों से बचाया जाना चाहिए, जैसा कि रूस ने स्वयं अमेरिकी से वादा किया था. रूस का हर वादा मिसाइलों या ड्रोन, बम या तोपखाने के साथ खत्म होता है. कूटनीति उनके लिए कोई मायने नहीं रखती. राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम पहले ही हो सकता था, लेकिन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बार-बार इसे खारिज कर दिया है. जेलेंस्की ने कहा कि रूस पर दबाव देने की आवश्यकता है. ताकि वे युद्ध विराम पर सहमत हों. उन्हें हर झूठ, हर हमले, युद्ध को लम्बा खींचने के परिणाम भुगतने पड़ें. युद्ध विराम पहले ही हो सकता था. पुतिन ने इसे अस्वीकार कर दिया. रूस ने 11 मार्च से युद्ध विराम से इनकार कर दिया. रूस में वे ही लोग हैं जो इस युद्ध को चाहते हैं. इस बीच 23 से 25 मार्च तक अमेरिका ने सऊदी अरब के रियाद में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के साथ विशेषज्ञ स्तर की चर्चा की. ये द्विपक्षीय बैठकें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा क्रमशः रूसी राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ उच्च स्तरीय चर्चा के बाद हुई. वार्ता मुख्य रूप से काला सागर में सुरक्षा, वाणिज्यिक समुद्री गतिविधि की सुरक्षा, पावर इंफ्रास्ट्रक्चर का संरक्षण तथा स्थायी शांति को बढ़ावा देने के लिए व्यापक कूटनीतिक प्रयासों पर केंद्रित थी।

# पीएम मोदी के साथ अत्यंत फलदायी और सकारात्मक बैठक हुई : ओली

**बैंकॉक, एजेंसी।** नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने शुक्रवार को कहा कि छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अत्यंत फलदायक और सकारात्मक चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ओली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मैंने अपने प्रिय मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से एक सौहार्दपूर्ण बैठक की। हमारी बातचीत बेहद फलदायक और सकारात्मक रही।

भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत नेपाल को एक प्रमुख साझीदार माना जाता है और शुक्रवार की बैठक दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय संपर्कों की परंपरा को जारी रखते हुए, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, बैंकॉक में प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली से एक सफल बैठक हुई। भारत नेपाल के साथ अपने रिश्तों को बहुत प्राथमिकता देता है। हमने भारत-नेपाल दोस्ती के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा

की, विशेष रूप से ऊर्जा, कनेक्टिविटी, संस्कृति और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में। हम इस साल के बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के कुछ प्रमुख सकारात्मक परिणामों पर भी चर्चा की, खासकर आपदा प्रबंधन और समुद्री परिवहन के क्षेत्रों में।

भारत और नेपाल के बीच फिजिकल और डिजिटल कनेक्टिविटी, लोगों के बीच रिश्तों और ऊर्जा के क्षेत्र में हुई प्रगति से दोनों नेता संतुष्ट थे। दोनों नेताओं की यह मुलाकात पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा की 79वीं बैठक के दौरान न्यूयॉर्क में भी हुई थी। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बैठक से पहले कहा था कि वे उम्मीद करते हैं कि यह बैठक प्रधानमंत्री ओली की भारत यात्रा का मार्ग प्रशस्त करेगी, जो लंबे समय से लंबित है। भारत और नेपाल के बीच प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक संबंध हैं, जो दोनों देशों के बीच मजबूत लोगों-से-लोगों के संबंधों के रूप में प्रदर्शित होते हैं। भारत नेपाल का सबसे बड़ा विकासात्मक दाता भी है, और नेपाल के तेजी से विकास के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

### राजस्व सेवा में 20 हजार कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी, नागरिक अधिकार ऑफिस को बंद करने से होगी शुरुआत

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका अपने आंतरिक राजस्व सेवा विभाग में करीब 20 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रहा है। यह विभाग के कुल कार्यबल का 25 प्रतिशत है। यह छंटनी शुक्रवार से शुरू हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आईआरएस के नागरिक अधिकार कार्यालयों को बंद करने की भी योजना है। छंटनी के बाद जो कर्मचारी बचेंगे, उन्हें अन्य विभागों में स्थानांतरित किया जाएगा।

**हजारों कर्मचारियों की हो रही छंटनी :** आंतरिक राजस्व सेवा विभाग को पूर्व में समानता, विविधता और समावेशी विभाग के नाम से जाना जाता था। आंतरिक राजस्व सेवा विभाग राजस्व इकट्ठा करने और टैक्स संबंधी कानूनों को लागू करने का काम करता है। यह छंटनी ट्रंप प्रशासन द्वारा संघीय सरकार के खर्चों में कटौती के लक्ष्य के साथ की जा रही है। एलन मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग हजारों कर्मचारियों की छंटनी कर चुका है और मस्क खरबों डॉलर बचाने की बात कह रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (एचएचएस) में भी बड़े पैमाने पर कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा सकता है। मंगलवार को कर्मचारियों को बर्खास्तगी के नोटिस मिलने शुरू हो गए। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि, ट्रंप सरकार

स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग से 10,000 लोगों को नौकरी से निकाल सकती है।

अमीरों को टैक्स में राहत देने की तैयारी गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप की योजना अमेरिका के अमीरों को टैक्स में खरबों डॉलर की राहत देने, सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और रक्षा खर्च में भी बढ़ोतरी करने की है। इसके लिए ट्रंप प्रशासन बजट बनाने की तैयारियों में जुट गया है। हालांकि डेमोक्रेट पार्टी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में कटौती कर अमीरों को टैक्स में राहत देने का विरोध कर रही हैं।

# इजरायली सेना का दावा, हमने हमास को पैसे ट्रांसफर करने वाले प्रमुख शख्स को मार गिराया

**यरूशलम , एजेंसी।** इजरायली सेना ने गाजा में हमास के प्रमुख मनी एक्सचेंजर को मार गिराया है। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि उसने सईद अहमद अबेद खुदारी को गाजा शहर में मार गिराया, जो कथित तौर पर हमास का एक प्रमुख मनी एक्सचेंजर था। आईडीएफ के अनुसार, खुदारी को गुरुवार को मार गिराया गया। वह हमास में आतंकियों को पैसे देने का एक प्रमुख सूत्रधार था। आईडीएफ ने शुक्रवार को बयान में कहा कि खुदारी ने एक मनी एक्सचेंजर के रूप में काम करते हुए अल वेफाक कंपनी फंड का प्रमुख था, जिसे इजरायली सरकार द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया था समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ के अनुसार खुदारी ने कई सालों तक हमास के सैन्य हिस्से को कई बार पैसे ट्रांसफर करने में मदद की, खास तौर पर 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के बाद। आईडीएफ ने कहा कि खुदारी की भागीदारी 2019 में अपने भाई हामिद खुदारी की हत्या के बाद बढ़ गई, जो हमास के सैन्य अभियानों के लिए एक प्राथमिक वित्तीय चैनल के रूप में भी काम करता था। आईडीएफ ने शुक्रवार को दो अन्य बयानों में कहा कि उसने फिलिस्तीनी मुजाहिदीन आंदोलन के एक वरिष्ठ सैन्य कमांडर मोहम्मद हसन मोहम्मद अवद को

मार गिराया है, जो कथित तौर पर इजरायलियों के अपहरण और हत्या में शामिल था। इजरायल ने 18 मार्च को हमास के साथ दो महीने का युद्धविराम समाप्त कर दिया। इसके बाद फिलिस्तीनी एन्क्लेव पर घातक हवाई और जमीनी हमले फिर से शुरू कर दिए। इजरायली सेना के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने गुरुवार को कहा कि सेना ने गाजा में अपने हमले के एक नए चरण में प्रवेश किया है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि नए सिरे से किए गए इजरायली हमलों में अब तक कम से कम 1,249 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 3,022 अन्य घायल हुए हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान की 2329 वीं जयंती चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम सुरत शहर में विशाल रैली का आयोजन किया गया था जिसमें सुरत शहर पुलिस कमिश्नर श्री अनुपम सिंह गहलोत उपस्थित रहे और साथ में चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान के बारे में जानकारी देते हुए ,अपने जन्म भूमि और कर्म भूमि से संबंधित गुजरात में रहने वाले अन्य राज्यों के लोगों में समाज में मार्गदर्शन देकर अपनी शुभकामनाएँ दिया.

## शादी और तांत्रिक विधि के नाम पर विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म और धोखाधड़ी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के खटोदरा इलाके में प्यार और तांत्रिक विधि के बहाने एक युवती के साथ दुष्कर्म और करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। खटोदरा पुलिस ने मुख्य आरोपी उदय हेमंत नवसारीवाला को गिरफ्तार किया है और बड़ी मात्रा में माल बरामद किया है। आरोपी ने हाईकोर्ट में पुलिस सहयोग का हवाला देते हुए जमानत हासिल की थी, लेकिन सहयोग न देने पर हाईकोर्ट ने पुलिस रिपोर्ट के आधार पर उसकी जमानत रद्द कर दी।

वर्ष 2024 में आरोपी उदय हेमंत नवसारीवाला के खिलाफ उसी की प्रेमिका ने खटोदरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। उदय ने पुरानी पहचान का फायदा उठाकर 40 वर्षीय विवाहिता को अपने प्रेमजाल में फंसा लिया था। खुद शादीशुदा होने के बावजूद उसने महिला को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। दोनों के बीच यह भी बात हुई थी कि वे तलाक लेकर शादी कर लेंगे।

पीड़िता ने आरोपी की बातों में आकर अपने पति से तलाक भी ले लिया था। लेकिन बाद में आरोपी ने शादी का झांसा देकर, अपनी इलाज और तांत्रिक विधियों के नाम पर पीड़िता से नकद और जेवर समेत कुल दो करोड़ रुपये ठग लिए।

आरोपी ने खुद को बीमार बताकर नाटक रचा और अपने मित्र वितराग शाह की मदद से नकली अस्पताल के बिल तैयार कर पीड़िता से पैसे ठगे। आरोपी ने फर्जी मेडिकल रिपोर्ट और वीडियो बनाकर महिला से और भी पैसे वसूले।

इसके अलावा, पीड़िता के गहनों को भी भाग्यलक्ष्मी ज्वेलर्स के मालिक स्नेहल दलाल और केतुल दलाल के पास गिरवी रखकर 78 लाख रुपये वसूल लिए गए।

आरोपी ने अहमदाबाद के आचार्य ए.जे. गुरुजी के माध्यम से पीड़िता को विश्वास में लेकर तांत्रिक विधियों के नाम पर और भी पैसे ठग लिए।

**आरोपी ने अपने दोस्त की मदद से 1 किलो सोना, 20 किलो चांदी और हीरे के आभूषण सहित 2 करोड़ रुपये हड़प लिए।**

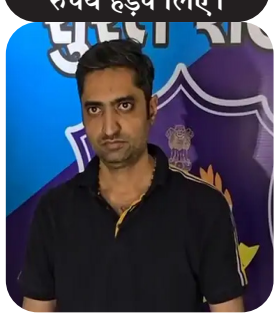

उसने पीड़िता को भविष्य में शादी होने का लालच देकर ठगी जारी रखी।

खटोदरा पुलिस स्टेशन में मुख्य आरोपी उदय हेमंत नवसारीवाला सहित उसके दोस्त वितराग शाह, ज्वेलर्स के मालिक स्नेहल दलाल और केतुल दलाल के खिलाफ दुष्कर्म और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने अब तक लगभग 60 प्रतिशत सामान बरामद कर लिया है और आगे की जांच जारी है। आरोपी ने अपने घर के अंदर ड्रुष्ट जैसा सेटअप बनाकर पीड़िता को धोखा दिया था। पीड़िता उस पर विश्वास करती थी, जिसका फायदा उठाकर उदय ने अपने दोस्त के माध्यम से पीड़िता को बताया कि वह गंभीर रूप से बीमार है और उसे पैसों की सख्त जरूरत है।

उदय ने पीड़िता को बताया था कि वह ड्रुष्ट में भर्ती है और इलाज के लिए पैसे चाहिए। उसने बार-बार शादी का झांसा देकर पीड़िता से धोखाधड़ी की।

इतना ही नहीं, उदय ने यह भी कहा कि वह अपनी पत्नी को तलाक देना चाहता है और कोर्ट की नोटिस भी भेज दी है। इसी दौरान उसने पीड़िता से यह भी कहा कि उस पर काला जादू किया गया है, जिस कारण उसकी शादी में अड़चन आ रही है। इस काले जादू को दूर करने के लिए तांत्रिक विधि करानी होगी और इसके लिए भी उसने पीड़िता से पैसे वसूल किए।

गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी हाईकोर्ट तक गया था और वहां यह बताया था कि वह पुलिस जांच में सहयोग करेगा, लेकिन हकीकत में वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा था। जब पुलिस ने इस बारे में हाईकोर्ट में रिपोर्ट दी, तो उसका जमानत आदेश रद्द कर दिया गया। इसके बाद आरोपी अपने वकील के साथ पुलिस स्टेशन में उपस्थित हुआ।

इस पूरे मामले में डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने बताया कि आरोपी पीड़िता का कॉलेज का क्लासमेट था और एचपी गैस की एजेंसी चलाता था। उसने पहले पीड़िता से दोस्ती की, फिर उसे प्रेमजाल में फंसाया और उसके तलाक करवा दिए। बाद में उदय ने पीड़िता से कहा कि वह भी अपनी पत्नी को तलाक दे देगा, लेकिन उसने तलाक नहीं दिया। वह पीड़िता को झूठी जानकारी देकर गुमराह करता रहा कि उसने कोर्ट में तलाक की अर्जी दी है और फर्जी अर्जियां भी उसे व्हाट्सएप के जरिए भेजता रहा।

पीड़िता के पास जो भी संपत्ति थी, जैसे कि 1 किलो सोना, 20 किलो चांदी और हीरे के आभूषण, वह भी अलग-अलग बहाने बनाकर और अपने दोस्तों की मदद से हड़प लिए गए।

मुंबई के एक अस्पताल के बाहर जाकर उसके दोस्त ने लाइव लोकेशन भेजकर पीड़िता को दिखाया था कि उदय अस्पताल में भर्ती है। फर्जी बिल दिखाकर पैसे वसूले गए। फ्लैट के नाम पर भी पैसे लिए गए और तांत्रिक विधि तथा ज्योतिष के नाम पर भी पीड़िता से रकम ऐंठी गई। इस तरह पूरी साजिश रचकर पीड़िता के साथ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की गई।

## 55.48 लाख के ड्रग्स केस में फरार मुख्य आरोपी को गिरफ्तार

**SOG द्वारा ड्रग माफिया के खिलाफ कार्रवाई**

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के चौकबाजार इलाके से ड्रग्स केस के मुख्य आरोपी को शहर की SOG टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया है। आरोपी आदिल उर्फ आदिल जाड़ियो उर्फ आदिल मसाला मूल रूप से भरूच जिले के सितकोण गांव का निवासी है और फिलहाल सूरत शहर के चौकबाजार क्षेत्र में रह रहा था। SOG की टीम ने सूचना के आधार पर आरोपी को पकड़ा। शहर की SOG टीम को सूचना मिली थी कि चौकबाजार स्थित नूर अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 603 में रह रहा था।

55.48 लाख के ड्रग्स केस में आया नाम सामने आदिल से पूछताछ करने पर उसने कबूल किया कि पिछले साल 26/11/2024 को सूरत शहर की क्राइम ब्रांच द्वारा सचिन के कपलेथा चेकपोस्ट के पास से तीन आरोपियों को पकड़ा गया था। इनमें इरफान खान पठान, मोहम्मद तौसीफ उर्फ तौसीफ कोको और असफाक कुरैशी के नाम शामिल थे।

इन आरोपियों से कुल 554.82 ग्राम मेफेड्रोन (MD) ड्रग्स बरामद किया गया था, जिसकी बाजार कीमत 55,48,200 थी।

के सैयदवाड़ा पटनी हॉल के पास, गुलामचाचा नानचाप रेस्टोरेंट के सामने सार्वजनिक रास्ते पर एक शख्स खड़ा है, जो पहले हुए एक बड़े ड्रग्स केस का मुख्य आरोपी है। इस आधार पर SOG की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी आदिल रफीकभाई वाणिया को गिरफ्तार कर लिया।

आदिल की उम्र 24 साल है और वह मसालों के व्यापार से जुड़ा हुआ है। फिलहाल वह चौकबाजार के होड़ी बंगला के पास, नूर मस्जिद के सामने यह मामला क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। पूछताछ में आदिल ने यह स्वीकार किया कि जब्त किए गए ड्रग्स उसके संपर्क के जरिए मंगवाए गए थे।

इस आरोपी के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे आगे की जांच के लिए DCB पुलिस स्टेशन को सौंपने की कार्रवाई की जा रही है। SOG की इस कार्रवाई से सूरत शहर में एक बार फिर ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई देखने को मिली है।

## लोन के नाम पर गरीबों को लूटने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

फेसबुक पर 'रंगा रेड्डी' नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर लोन देने के नाम पर 300 लोगों को ठगा, अन्य राज्यों के लोगों को बनाते थे निशाना। फेसबुक अकाउंट को मेंटेन करता था और बाकी लोग कॉलिंग का काम करते थे। आरोपी 'रंगा रेड्डी' नाम से फेसबुक पर फर्जी अकाउंट बनाकर विज्ञापन डालते थे

**मेरी झोपड़ी के भाग अब खुल गए हैं राम आए हैं**

## अध्यात्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अध्यात्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट के 19वे महोत्सव एवं श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में विशाल भजन संध्या एवं हनुमान मंगल कवच पाठ का आयोजन रविवार को किया गया। इस अवसर पर बालाजी का भव्य एवं आलौकिक दरबार सिटी लाइट स्थित अग्रसेन पैलेस के पंचवटी हॉल में सजाया गया।

आयोजन की शुरुआत शाम चार बजे ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण तोला, कैलाश सोमानी एवं रामकुमार मूंदड़ा द्वारा ज्योत प्रज्वलित करके की गई। आयोजन में हनुमान मंगल कवच पाठ का वाचन ट्रस्ट के महासचिव अजय अग्रवाल द्वारा किया गया। इसके पश्चात भजन संध्या में राकेश बावलिया एवं संजय अग्रवाल द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान मेरी झोपड़ी के भाग अब खुल गए हैं राम आए हैं भजन पर भक्त भाव विभोर होकर नाचने लगे।

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में संजय सरावगी, मुख्य यजमान दीनदयाल अग्रवाल एवं जन्मोत्सव के यजमान रामरतन भूतड़ा उपस्थित रहें। आयोजन में देर रात तक भक्तों की भीड़ लगी रही। सभी के लिए ट्रस्ट द्वारा महाप्रसाद की व्यवस्था की गई थी। आयोजन में केक काट कर हनुमानजी महाराज का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर भंडारा यजमान अरुण तोला, दरबार यजमान कैलाश तोदी, प्रचार सहयोगी प्रकाश सुल्तानिया, अतिथि विशेष राजू लोहिया, दिलीप अग्रवाल, रतन दारूका, कुंज बिहारी केडिया, सत्येन सोमानी, राजेश हकीम, रोशन मोदी, नंदकिशोर अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

## डिप्टी कमिश्नर कमलेश नायक से PRO विभाग भी छीन कर डिप्टी कमिश्नर मीना गज्जर को सौंपी गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महानगर पालिका के डिप्टी कमिश्नर कमलेश नायक इस साल रिटायर होने वाले हैं, लेकिन उनसे जुड़े विवाद उनका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं। पहले भी उनसे अकाउंट विभाग, सिटी लिंक और महकमा जैसे महत्वपूर्ण विभाग छीन लिए गए थे। अब एक और अहम विभाग, पीआरओ (जनसंपर्क) विभाग भी उनसे छीनने का आदेश कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने जारी किया है। महानगर पालिका के महत्वपूर्ण पीआरओ विभाग के विभागीय प्रमुख डिप्टी कमिश्नर कमलेश नायक थे। उनके कार्यकाल में जनसंपर्क विभाग कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं कर पाया, ऐसी नाराजगी इसी विभाग के कर्मचारियों द्वारा भी जाहिर की जाती रही है। अकाउंट विभाग में करप्शन और चीफ अकाउंटेंट की रिश्वतखोरी के प्रकरण सामने आए, वहीं महकमा विभाग में उनके सहयोगी कमल नायक द्वारा की गई गड़बड़ियों सहित अन्य आरोपों के चलते 'कमलेश और कमल' की जोड़ी को महकमा विभाग से हटाने का निर्णय कमिश्नर को लेना पड़ा था। सिटी लिंक भी उनसे छीन लिया गया था। बीआरटीएस बस दुर्घटनाओं और ड्राइवर-कंडक्टर की गड़बड़ियों के मामलों में भी वे कोई सुधार लागू नहीं कर पाए थे। इसके बाद डिप्टी कमिश्नर डॉ. राजेन्द्र पटेल (IAS), जो डेप्युटेशन पर थे, को सिटी लिंक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। महकमा विभाग भी कमलेश नायक से वापस ले लिया गया है। यह विभाग पिछले सात वर्षों से उनके पास था। अब इस विभाग की जिम्मेदारी डिप्टी कमिश्नर मीना गज्जर को दी गई है।